आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 10 सितंबर 2026
वर्ष : 5 ■ अंक : 270
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

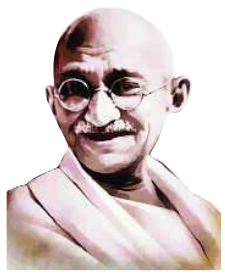

राष्ट्रपिता को नमन...

होसबाले के कार्यक्रम में जुटेंगे 30 हजार से ज्यादा स्वयंसेवक

शाखा संगम के लिए 20 रुपए की रसीद से पंजीयन, श्रम साधकों से भी होगा संवाद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के कार्यक्रम में शामिल होने वाले स्वयंसेवकों का 20 रुपए की रसीद से पंजीयन किया जा रहा है। शाखा संगम कार्यक्रम में 30 हजार से ज्यादा स्वयंसेवकों को एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया है। आयोजन को अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम बनाने का टास्क दिया गया है। सरकार्यवाह होसबाले चार साल बाद 20 सितंबर को भोपाल में गणवेशधारी स्वयंसेवकों से रूबरू होंगे। लाल परेड मैदान में होने वाले इस आयोजन में संघ के स्वयंसेवक शारीरिक व्यायाम, दंड प्रयोग और योग का प्रदर्शन करेंगे।

संघ ने इस बार राजधानी में उनके छह अलग-अलग कार्यक्रम तय किए हैं। इनमें जेन-जी से संवाद के साथ श्रमिक वर्ग, रेहड़ी-गुमटी संचालकों, प्लंबर, कारपेंटर

और मैकेनिक जैसे विभिन्न कामकाज में लगे श्रम साधकों के सम्मेलन को संबोधित करने का कार्यक्रम भी शामिल है।

स्वयंसेवकों का पंजीयन : लाल

परेड मैदान के कार्यक्रम में शहर के चुनिंदा गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। भोपाल विभाग के भोपाल, प्रताप, भोजपुर, बैरसिया, तात्याटोपे नगर और विद्युतनगर क्षेत्र के स्वयंसेवकों का पंजीयन चल रहा है। संघ के अनुसार, श्रम साधक सम्मेलन में विभिन्न कामकाज से जुड़े करीब एक हजार लोगों को शामिल किया जाएगा। सरकार्यवाह पहली बार इस वर्ग के साथ इस तरह के कार्यक्रम में संवाद करेंगे।

■ **शाखा विस्तार पर भी जोर** : संघ ने भोपाल के विभिन्न मोहल्लों में 15 अगस्त के बाद शाखाओं के विस्तार का कार्यक्रम चलाया है। शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित शाखा संगम में इन मोहल्ला शाखाओं की भी भागीदारी रहेगी।

भारत कैसे लौटूं: सोचता हूं कॉकरोच बन जाऊं- माल्या

लंदन (एजेंसी) ● लंदन में रह रहे कारोबारी विजय माल्या ने बुधवार देर रात फिर भारत सरकार पर अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में चल रही कानूनी प्रक्रिया के कारण वे भारत नहीं लौट पा रहे हैं। विजय माल्या ने एक पोस्ट में यह भी कहा, 'मेरे साथ हो रहे अन्याय को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझे कॉकरोच बन जाना चाहिए। शायद कॉकरोच बनकर बेहतर जिंदगी जी सकूं। मैं भगोड़ा नहीं हूं। ब्रिटेन की कानूनी प्रक्रिया ने मुझे भारत लौटने से रोक रखा है।

भारत ने नेपाल के लिए 8वीं राहत खेप भेजी

काठमांडू (एजेंसी) ● नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद भारत ने 35 टन राहत और बचाव सामग्री की 8वीं खेप भेजी। भारतीय वायुसेना का विमान बुधवार को काठमांडू पहुंचा। इसके साथ भारत अब तक 130 टन से ज्यादा राहत सामग्री भेज चुका है। खेप में टेंट, कंबल, हाइजीन किट, सोलर लैंप, दवाएं और रेस्क्यू उपकरण शामिल हैं। भारत ने राहत अभियान 26 अगस्त को शुरू किया था। नेपाल पुलिस के मुताबिक, बाढ़ प्रभावित इलाकों से अब तक 1367 शव बरामद हुए हैं।

बिहार के 14 जिलों में बाढ़ 40 लाख लोग प्रभावित

पटना (एजेंसी) ● बिहार में लगातार पांच दिनों से हो रही बारिश के कारण 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। 40 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। इनमें सबसे ज्यादा पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर और बेगूसराय के लोग हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, सितंबर में अब तक बिहार में 83.6 मिमी बारिश हुई है। यह सामान्य से 24% ज्यादा है।

खड़े हनुमान के दर्शन के लिए पहुंचे 8 हजार भक्त

रील्स हो रहीं वायरल : उज्जैन प्रशासन बोला- प्रतिमा हटाने का एक भी प्रयास नहीं किया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● उज्जैन के सती गेट के पास स्थित प्रसिद्ध खड़े हनुमान मंदिर को हटाने की कार्रवाई से जुड़े वीडियो वायरल हो रहे हैं। प्रतिमा के चमत्कारिक रूप से नहीं हटने की कहानियां भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही हैं।

इंस्टाग्राम, यूट्यूब समेत कई प्लेटफॉर्म पर प्रतिमा के जस की तस खड़े रहने के वीडियो ट्रेंड कर रहे हैं। इन रील्स को देखने के बाद पिछले चार दिनों में करीब 8 हजार से ज्यादा भक्त मंदिर पहुंच चुके हैं।

इनमें मध्य प्रदेश के अलावा गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान के श्रद्धालु भी शामिल हैं। कई भक्त मंदिर में दर्शन करने के साथ प्रतिमा की रील बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। इसके चलते खड़े हनुमान से जुड़े वीडियो लगातार ट्रेंड कर रहे हैं।

प्रतिमा को लेकर प्रशासन की ओर से सावधानी बरती जा रही है। करीब एक सप्ताह से मंदिर के आसपास का ज्यादातर हिस्सा तोड़ा जा चुका है, जबकि हनुमानजी की प्रतिमा फिलहाल टेंट में विराजमान है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंदिर के आसपास बैरिकेडिंग कर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया है। प्रतिमा को हटाने के प्रयासों को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच ढ्ढढ्ढञ्ज इंदौर की टीम सोमवार को मंदिर पहुंची थी। टीम ने मंदिर में जांच की थी। अब टीम गुरुवार को एक बार फिर खड़े हनुमान मंदिर पहुंचकर जांच करेगी।

सती गेट के आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि पिछले कई वर्षों में उन्होंने मंदिर में इतनी भीड़ नहीं देखी। अब लोग लंबी कतारों में लगकर दर्शन कर रहे हैं। प्रतिमा को विस्थापित किए जाने की चर्चा के बीच अलग-अलग राज्यों से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। नासिक से आए अनिल ने बताया कि उन्होंने इंस्टाग्राम पर खड़े हनुमान की रील देखी थी। इसके बाद वे दर्शन करने आए हैं और यहां से रील बनाकर ले जाएंगे। नागपुर से आए महेश टिचकुले ने कहा कि वे दो दिन से सोशल मीडिया और न्यूज चैनलों पर हनुमानजी से जुड़ी खबरें देख रहे थे। इसके बाद उन्होंने उज्जैन आने का फैसला किया।

युवाओं पर कांग्रेस की नजर

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से मालवा-निमाड़ में सियासी हलचल तेज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● कांग्रेस नेता राहुल गांधी का 19 सितंबर को इंदौर में प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम भले ही छात्रों और युवाओं से संवाद के तौर पर पेश किया जा रहा हो, लेकिन इसके सियासी मायने इससे कहीं ज्यादा बड़े माने जा रहे हैं। कांग्रेस की नजर मालवा-निमाड़ के उस राजनीतिक क्षेत्र पर है, जिसे मध्य प्रदेश की सत्ता के समीकरण में बेहद अहम माना जाता है। वहीं कांग्रेस की एकजुटता देखकर राजनीतिक जानकार भी हैरान हैं। सालों बाद कांग्रेसी इस तरह एक होकर काम कर रहे हैं।

कांग्रेसी नेताओं के अनुसार मालवा-निमाड़ में विधानसभा की कुल 66 सीटें हैं, जिनमें 22 सीटें आदिवासी बहुल हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने इस क्षेत्र में 47 सीटें जीतकर मजबूत राजनीतिक पकड़ दिखाई थी, जबकि कांग्रेस 18 सीटों पर सिमट गई थी। इसके उलट 2018 में कांग्रेस ने यहां 35 सीटों पर जीत दर्ज की थी। यही वजह है कि कांग्रेस अब युवाओं के मुद्दों के जरिए इस क्षेत्र में अपनी खोई राजनीतिक जमीन दोबारा मजबूत करने की कोशिश में जुटी है।

कार्यक्रम की अनुमति को लेकर भी सियासत- राहुल गांधी के कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस और सरकार के बीच अनुमति तथा स्थान को लेकर विवाद भी सामने आ चुका है। कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी कार्यक्रम को लेकर असहज है और इसी वजह से अनुमति देने में देरी की जा रही है। कांग्रेस का कहना है कि कार्यक्रम के लिए कई स्थान चिह्नित किए जा चुके हैं। अनुमति में देरी कर बीजेपी का ही नुकसान हो रहा है।

इंदौर में युवाओं से संवाद, निशाने पर बीजेपी

राहुल गांधी के कार्यक्रम में रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, पेपर लीक, महंगी शिक्षा और युवाओं के भविष्य जैसे मुद्दे उठाए जाने की संभावना है। कांग्रेस इन मुद्दों के जरिए प्रदेश के युवाओं के बीच सरकार के खिलाफ राजनीतिक नैरेटिव तैयार करने की कोशिश कर रही है। कार्यक्रम के लिए इंदौर को चुना जाना भी राजनीतिक तौर पर अहम माना जा रहा है। इंदौर मालवा-निमाड़ का सबसे बड़ा शहर होने के साथ बीजेपी का मजबूत गढ़ है। 2023 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने इंदौर जिले की सभी नौ विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी।

प्रदेश में 1 नवंबर से पेपरलेस होंगे अस्पताल

मोबाइल पर मिलेगा ओपीडी पर्चा, बिना पूरी तैयारी व्यवस्था पर उठे सवाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस (एक नवंबर) से मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों से लेकर उप स्वास्थ्य केंद्र तक सभी सेवाएं पेपरलेस करने की योजना बनाई है।

मरीजों को ओपीडी पर्चा भी मोबाइल पर ही उपलब्ध कराया जाएगा। इसे बिहार मॉडल की तर्ज पर किया जा रहा है लेकिन पेच यह है कि बिहार में हॉस्पिटल मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (।॥स्द्बस्) शुरू करने के पहले लगभग तीन वर्ष तक कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया था।

300 करोड़ रुपये का बजट लगाकर इसे लागू किया गया है। मध्य प्रदेश में स्थिति यह है कि इसके लिए टैबलेट उपलब्ध कराए जाने हैं, जो अभी खरीदे ही नहीं गए हैं। न ही कर्मचारियों को किसी तरह का प्रशिक्षण दिया गया है। इसके पहले मेडिकल कॉलेजों में यह व्यवस्था लागू की गई थी, लेकिन चल नहीं पाई। इसी तरह एनआईसी और सी-डैक के माध्यम से कुछ अस्पतालों में भी सुविधा शुरू की गई है, जिनमें एक-दो मॉड्यूल ही चल रहे हैं। ऐसे में बड़ा प्रश्न यही है कि बिना पूरी तैयारी व्यवस्था कितनी प्रभावी होगी। दूसरा यह कि सभी रोगियों के पास एंड्रॉइड मोबाइल नहीं है। ऐसे में यदि व्यवस्था पेपरलेस की जाती है तो उनके पास रिकॉर्ड कैसे उपलब्ध हो पाएगा। एचएमआईएस के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले जिला अस्पतालों में एनआईसी का ई-हॉस्पिटल सिस्टम चल रहा है तो कुछ में सी-डैक का ई-सुश्रुत चल रहा है। ई-हॉस्पिटल में नेक्स्ट जेन वर्जन भी पिछले वर्ष आया है, जिसमें कुछ नए मॉड्यूल जोड़े गए हैं। एम्स भोपाल सहित कई बड़े संस्थानों में ई-सुश्रुत चलता है।

इंदौर, महू, सांवेर में अवैध शराब पर कार्रवाई, लेकिन रंगवासा में क्यों नहीं?

सागर शराब कांड के बाद हरकत में आया आबकारी विभाग, लेकिन रंगवासा में मेहरबानी क्यों

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

सागर में जहरीली शराब पीने से 22 लोगों मौत के मुंह में समा गए जैसे ही अवैध शराब का भंडाफोड़ हुआ सरकार हरकत में आ गई 35 लोगों से अधिक की गिरफ्तारी अवैध शराब को लेकर की गई इतना ही नहीं तीन आबकारी अधिकारियों को भी सागर से हटाया गया साथ ही कई अधिकारियों पर गाज भी सरकार ने गिराई है। इस दौरान इंदौर आबकारी विभाग में खलबली मची हुई है। और ताबड़तोड़ आबकारी अधिकारियों ने कार्रवाई करना चालू कर दी इंदौर में हाल ही में 45 लाख रुपए की अवैध शराब को पकड़ा साथ ही महू सांवेर मांगलिया में भी बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। आबकारी अधिकारी सागर में हुए कांड के बाद सकते में है।जिले भर में ताबड़तोड़ कार्रवाई के साथ बड़े चेकिंग अभियान भी चलाए जा रहे हैं। ढाबों पर अवैध शराब परोसी तो सीधे जेल भेजने का काम आबकारी विभाग कर रहा है।

रंगवासा के अवैध शराब अड्डों पर आबकारी विभाग कब कार्रवाई करेगा खुलेआम संतोष और जगदीश की जुगल जोड़ी अवैध शराब का कारोबार कर रही है। गाड़ियां भरकर गांव-गांव में शराब को भेजा जा रहा ढाबों पर खुलेआम शराब पिलाई जा रही है गुमटियों पर देशी विदेशी शराब का क्रय विक्रय हो रहा लेकिन पुलिस और आबकारी अधिकारीयो को यह क्यों दिखाई नहीं दे रहा। क्या रगवासा में भी सागर जैसे कांड का इंतजार अधिकारी कर रहे हैं। या फिर गांधी की आंधी इन्हें कार्रवाई करने से रोक रही लगातार पत्रकार इस मामले को उठा रहे हैं लेकिन आबकारी विभाग सवालों के घेरे में है। कुंभकरण की नींद सोए एरिया इंस्पेक्टर राजेश बट्टी केवल झांकी मंडप करने में लगे हैं। जिला आबकारी अधिकारी रंगवासा में कार्रवाई करे तो कहीं अवैध शराब के अड्डों पर बड़ी तादाद में शराब बरामद होगी नाम नहीं छापने के शर्त पर एक जन्म प्रतिनिधि ने कहा 24 घंटे में अगर कार्रवाई नहीं हुई तो कलेक्टर को लेकर शिकायत करेंगे।

अब उठा ममलेश्वर में आए चंदे पर सवाल

ओंकारेश्वर मंदिर में भी दान का ब्यौरा हो उजागर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

ममलेश्वर ● श्री ममलेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा 3 सितंबर को मंदिर परिसर में रखे छह दानपात्रों की राशि की गणना की गई। तहसीलदार उदय मंडलोई के अनुसार, छह दानपात्रों से कुल 8 लाख 65 हजार 940 रुपये प्राप्त हुए। यह राशि एचडीएफसी बैंक की बड़वाह शाखा में मंदिर प्रबंधन समिति के खाते में जमा कराई गई है।

ममलेश्वर मंदिर के दानपात्रों से प्राप्त राशि का विवरण सार्वजनिक होने के बाद अब स्थानीय नागरिकों और समाजसेवियों ने ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की आय-व्यय का विवरण भी सार्वजनिक करने की मांग उठाई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर में दानपात्रों के अलावा शीघ्र दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक, लड्डू प्रसाद सहित अन्य धार्मिक सेवाओं से भी राशि प्राप्त होती है। ऐसे में श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को मंदिर की कुल आय और उसके उपयोग की जानकारी सार्वजनिक रूप से मिलनी चाहिए।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, सावन माह में श्रद्धालुओं की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई

थी। इस दौरान दान, पूजन-अभिषेक और अन्य धार्मिक व्यवस्थाओं से मंदिर को प्राप्त होने वाली राशि भी बढ़ी होगी। नागरिकों की मांग है कि मंदिर को वर्षभर में प्राप्त कुल आय और विकास कार्यों, धार्मिक गतिविधियों तथा अन्य मदों में किए गए खर्च का विवरण सार्वजनिक किया जाए। ओंकारेश्वर के संत ओंकारनाथ ने भी मंदिर की आय-व्यय व्यवस्था में पारदर्शिता की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु आस्था के साथ मंदिर में दान करते हैं, इसलिए मंदिर की आय और उसके उपयोग की जानकारी पारदर्शी तरीके से सामने आनी चाहिए।

स्थानीय नागरिकों का सवाल है कि जब ममलेश्वर मंदिर के छह दानपात्रों से प्राप्त 8 लाख 65 हजार 940 रुपये की राशि का विवरण सार्वजनिक किया जा सकता है, तो ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दान और अन्य स्त्रोतों से प्राप्त आय का पूरा विवरण सार्वजनिक क्यों नहीं किया जाता?

न्यूज ब्रीफ

द पार्क इंदौर के जनरल मैनेजर बने अमित भाटिया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● लक्ज़री हॉस्पिटैलिटी ब्रांड द पार्क इंदौर ने अमित भाटिया को अपना जनरल मैनेजर नियुक्त किया है।

हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में 19 वर्षों के अनुभव के साथ भाटिया अब होटल के संचालन, अतिथि सेवाओं, व्यवसाय विकास और टीम मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभालेंगे। अपने करियर के दौरान भाटिया ने हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के प्रतिष्ठित ब्रांड्स द ओबेरॉय, द लीला, जेडब्ल्यू मैरियट और हयात के साथ विभिन्न नेतृत्वकारी भूमिकाओं में कार्य किया है। वे फूड एंड बेवरेज ऑपरेशंस, होटल मैनेजमेंट, कॉस्ट मैनेजमेंट, कैटरिंग, यील्ड मैनेजमेंट और प्री-ओपनिंग प्रोजेक्ट्स के क्षेत्र में विशेष विशेषज्ञता रखते हैं। उन्होंने बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज से होटल मैनेजमेंट की शिक्षा प्राप्त की है।

इनडीड पर भारत में नौकरियों की पोस्टिंग 1.2 प्रतिशत बढ़ीं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जुलाई 2026 में इनडीड पर भारत में नौकरियों की पोस्टिंग 1.2प्रतिशत बढ़ीं। इससे पहले लगातार तीन महीनों तक नौकरी के पोस्टिंग में गिरावट आई थी। इसके बावजूद, पिछले साल जुलाई के मुकाबले इस साल नौकरी के पोस्टिंग 8.3प्रतिशत ज्यादा रहीं। हालांकि नौकरी के बाजार में अभी भी उतार-चढ़ाव है, लेकिन कंपनियां लगातार लोगों को नौकरी पर रख रही हैं। महामारी से पहले के मुकाबले भारत में नौकरी के पोस्टिंग अब भी 84प्रतिशत ज्यादा हैं।

पेश है नया दमदार ज़ी5

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज दर्शकों के पास पहले से कहीं अधिक मनोरंजन विकल्प उपलब्ध हैं, ऐसे में ज़ी5 उनके मनोरंजन को तलाशने और देखने के अनुभव को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। अपने कंटेंट को और बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ते हुए, प्लेटफॉर्म ने मोबाइल और कनेक्टेड टीवी पर एक बड़ा और अभूतपूर्व बदलाव पेश किया है। यह बदलाव बेहतर पर्सनलाइजेशन, AI आधारित कंटेंट खोज, समृद्ध विजुअल नेविगेशन और अलग-अलग स्क्रीन के बीच सहज अनुभव से संचालित है। दर्शकों के देखने के तरीके को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया नया ज़ी5 मनोरंजन की खोज को सहज, आकर्षक और आसान बनाने के लिए पाँच अलग-अलग यूनिवर्स - प्रीमियम एंटरटेनमेंट, फ्री 5, KidZ, टीवी और स्पोर्ट्स के दरवाजे खोलता है।

नक्शे में बगीचा, जमीन पर कौन?

रेसकोर्स रोड की पॉश कॉलोनी की 'गुम' जमीन का राज फिर सुर्खियों में, पुराने नक्शे से लेकर मौजूदा रिकॉर्ड तक खंगाले जा रहे दस्तावेज

अक्षय जैन

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

शहर की पॉश और प्रतिष्ठित रेसकोर्स रोड की एक पुरानी कॉलोनी में बगीचे के लिए छोड़ी गई जमीन आज कहां है? यह सवाल एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। कॉलोनी के विकासकर्ता एमएल रांका द्वारा तैयार किए गए पुराने लेआउट में बगीचे के लिए जमीन छोड़े जाने की बात स्थानीय नागरिकों द्वारा कही जा रही है। दावा है कि समय बीतने के साथ नक्शे में दिखाई देने वाली यह जमीन मौजूदा स्थिति में नजर नहीं आती।

मामला अब न्यायालय की चौखट तक पहुंच चुका है और विचाराधीन बताया जा रहा है। लिहाजा इस विवाद में किसी व्यक्ति या संस्था को दोषी अथवा कब्जाधारी घोषित करना फिलहाल उचित नहीं होगा। लेकिन सवाल जरूर खड़े हो रहे हैं कि आखिर वह भूमि गई कहां?

पुराना नक्शा बनाम आज की हकीकत

स्थानीय लोगों के मुताबिक अब पुराने स्वीकृत नक्शे, लेआउट, राजस्व रिकॉर्ड, नगर नियोजन संबंधी दस्तावेज और वर्तमान स्थल की स्थिति की पड़ताल की जा रही है। यदि रिकॉर्ड में बगीचे के लिए भूमि आरक्षित होने की पुष्टि होती है तो यह जानना भी जरूरी होगा कि बाद में उसके उपयोग अथवा स्वरूप में कोई परिवर्तन हुआ या नहीं।

किसके नाम, किसके उपयोग में?

पड़ताल का एक अहम हिस्सा यह भी बताया जा रहा है कि उक्त भूमि से संबंधित वर्षों पुराने दस्तावेजों में किन-किन व्यक्तियों या संस्थाओं के नाम सामने आते हैं। जमीन के स्वामित्व, उपयोग और कथित कब्जे से जुड़े दावों की वास्तविकता दस्तावेजों और न्यायालयीन रिकॉर्ड से ही स्पष्ट हो सकेगी।

यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कॉलोनी के मूल नक्शे में यदि नागरिकों के लिए बगीचे की भूमि निर्धारित थी, तो उसका वर्तमान स्वरूप क्या है और वह किस उपयोग में है इसका जवाब सार्वजनिक हित से जुड़ा सवाल है।

फिलहाल न्यायालयीन प्रक्रिया जारी है। इसलिए अंतिम सच न्यायालय के निर्णय और प्रमाणित अभिलेखों से ही सामने आएगा। लेकिन रेसकोर्स रोड की इस कथित 'गुम बगीचे की जमीन' ने पुराने कॉलोनी नक्शों और आज की जमीनी हकीकत के बीच अंतर पर एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है।

सवाल सीधा है नक्शे में बगीचा था, तो आज वह जमीन कहां है?

इंदौर के पहले आईटीआई का होस्टल हो गया खंडहर

खतरों के बीच रहते है 60 बच्चे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के पहले औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) में दूसरे शहरों से आकर पढ़ने वाले बच्चों के लिए संस्थान ने हॉस्टल की सुविधा दी है। पढ़ने के बाद जब बच्चे हॉस्टल जाते हैं तो हमेशा उन्हें यह डर बना रहता है कि छत का प्लास्टर उन पर न गिर पड़े या फिर सीलन से भरी दीवार में बहता करंट बिजली का स्विच चालू करते समय झटका न दे जाए।

हॉस्टल बिल्डिंग में 50 से ज्यादा कमरे हैं, लेकिन आगे वाला ब्लॉक रहने लायक स्थिति में नहीं है। बरामदे में अटाला रखा है। पीछे वाले ब्लॉक के बाथरूम के दरवाजे टूटे हैं। टाइल्स उखड़ चुकी हैं और नल-टोटियां गायब हो चुकी हैं। मेंटेनेंस के नाम पर सालभर में जो भी राशि मंजूर होती है, उसके काम पूरे हॉस्टल में नजर नहीं आ रहे हैं।

पिलरों में भी दरारें आ गई : छत और दीवारों के प्लास्टर तो कई जगह उखड़े हैं, लेकिन गंभीर स्थिति यह है कि कुछ पिलरों में भी दरारें हैं। ये बिल्डिंग को कमजोर कर सकती हैं और हादसे की वजह बन सकती हैं। यहां रहने वाले विद्यार्थी अपनी पहचान उजागर किए बगैर समस्याओं की पूरी फेहरिस्त सामने रख देते हैं।

उनका कहना है कि पीने का पानी हमें कई बार बाहर से लाना पड़ता है। कई बार हॉस्टल की बिजली गुल हो जाती है। हॉस्टल बिल्डिंग तक आने वाला रास्ता बारिश के दौरान नदी जैसा बन जाता है। कई बार शिकायत की तो अब मलबा डाला गया है। बिल्डिंग में पेस्ट कंट्रोल बरसों से नहीं हुआ है। परिसर के कच्चे हिस्से में चूहों की बस्तियां बन चुकी हैं। इस कारण सांपों का डर भी हॉस्टल में बना रहता है। कई चूहों ने जमीन के हिस्सों को खोखला कर दिया है। इस कारण टाइल्स भी उखड़ गई हैं।

महिला मोर्चा की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रेष्ठा जोशी और महामंत्री माधुरी जायसवाल ने दायित्व ग्रहण किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज शाम भाजपा कार्यालय पर राष्ट्रीय मंत्री कविता पाटीदार, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे, नगर प्रभारी राजेश सोलंकी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मालिनी गौड, पूर्व विधायक गोपीकृष्ण नेमा, शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक महेश पालीवाल, पूर्व नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा की उपस्थिति में भाजपा महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष श्रेष्ठा जोशी ने पदभार ग्रहण किया। महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष श्रेष्ठा जोशी और महामंत्री माधुरी जायसवाल ने भाजपा कार्यालय स्थित भाजपा के पितृ पुरुष डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री कविता पाटीदार ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी हैं जिसमें महिलाओं को सम्मान दिया जाता है। देश की राष्ट्रपति भी महिला है, द्रौपदी मुर्मू, तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन है, इंदौर में हमारी लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने लगातार 8 बार एक ही लोकसभा सीट से जीतकर रिकार्ड बनाया है, भाजपा ने उन्हें सम्मान देने का काम किया है।

बिजली की गुणवत्ता से आपूर्ति, समय पर राजस्व संग्रहण और रबी सीजन के तैयारी गंभीरता से की जाए

बिजली कंपनी के एमडी श्री सिंह ने विभागाध्यक्षों की मिटिंग ली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक (एमडी) अनूप कुमार सिंह बुधवार की शाम विभाग प्रमुखों की मिटिंग ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता से बिजली आपूर्ति शासन की प्राथमिकता हैं, बिजली आपूर्ति को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सिंह ने कहा कि त्रुटिरहित देयक, राजस्व संग्रहण समय पर करने एवं रबी सीजन के दृष्टिगत नए कार्य, मैंटेनेंस इत्यादि समय से कर लिए जाए। सिंह ने कहा कि

आरडीएसएस एवं एसएसटीडी के कार्य समय पर हो, आरडीएसएस के जो ग्रिड, लाइन कार्य शेष हैं, उनसे संबंधित कार्य जल्दी करा लिए जाए। एलटी लाइन, एचटी लाइन, ट्रांसफार्मर से जुड़े नए कार्य समय पर हो। सिंह ने शिकायत निवारण को गंभीरता से लेने एवं अधीक्षण यंत्रियों के माध्यम से अपने सर्कल की दैनिक 1912, सीएम हेल्प लाइन, ऊर्जस पर आई शिकायतों के समाधान की समीक्षा के निर्देश दिए। सिंह ने रहवासी संघों, जन प्रतिनिधियों को नए कार्यों, शासन व अन्य जरूरी कार्य के लिए प्लान शटडाउन इत्यादि की जानकारी समय पर देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान, कार्यपालक निदेशक गजरा मेहता, एसएल करवाड़िया समेत अन्य विभाग प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

देपालपुर में कार्यक्रमों की बहार नवरात्रि में होगे बड़े आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● नगर में नवरात्रि पर्व पर कार्यक्रमों की बहार आ गई है देपालपुर में तीन बड़े आयोजन फिक्स हो गए होर्डिंग बैनर पोस्टर चौराहे पर लगा दिए गए देपालपुर में मां की आराधना को लेकर दो बड़ी भजन संध्या होगी जिसमें पहला कार्यक्रम भाजपा नेता अनिल धाकड़ का है जो छोटू सिंह रावणा की भजन संध्या करवा रहे रावणा के साथ कुंदनपुर के भजन गायक शशांक तिवारी भी भजनों की प्रस्तुति देंगे धाकड़ क्षेत्र में पहला बड़ा आयोजन करवा रहे धाकड़ नगर परिषद अध्यक्ष के प्रबल दावेदार भी हैं। नवरात्रि पर दूसरा बड़ा आयोजन पूर्व जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा करवा रहे 30 वर्षों से लगातार इस भजन संध्या में कैलाश विजयवर्गी उपस्थित होते है इस बार लोकप्रिय भजन गायक अनुराधा पौडवाल के साथ गजेंद्र प्रताप सिंह देपालपुर नगर में भजनों की प्रस्तुति देंगे। तीसरा सबसे बड़ा आयोजन पूर्व अध्यक्ष पप्पू यादव अपने पिता की स्मृति में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन करते हैं देश के बड़े-बड़े कवि देपालपुर में काव्य पाठ कर चुके हैं प्रतिवर्ष यह आयोजन बस स्टैंड पर होता है इस बार भी देश के बड़े कवि देपालपुर पहुंचेंगे। मां की आराधना में प्रतिवर्ष यह आयोजन नगर में होते हैं आम जनता बड़े उत्साह के साथ आयोजन में पहुंचती है सबसे बड़ी बात माता बहनों की बैठने की व्यवस्था आयोजन करता अलग से करते आयोजन को लेकर नगर की जनता में भारी उत्साह है। ऐसे आयोजन नगर में होते रहना चाहिए तीनों ही नेताओं ने आम जनता से अपील की है की ज्यादा से ज्यादा तादाद में आम जनता आयोजन में पहुंचे।

अशोक सोजतिया को स्वर्णिम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शिक्षा, समाज सेवा और मानव कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहे अशोक कुमार सोजतिया, अध्यक्ष, संचालक मंडल, एक्रोपोलिस समूह संस्थान एवं शुभदीप आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय, ने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और रोजगारोन्मुख सोच को नई दिशा देने के लिए स्वर्णिम बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है।

उनकी दीर्घकालीन एवं बहुआयामी सेवाओं के लिए अ भा श्वेताम्बर जैन महिला संघ की अध्यक्ष स्नेह कटारिया, संस्थापक अध्यक्ष रेखा जैन,सचिव पूजा जैन, रेखा नानावटी, कोषाध्यक्ष संगीता पोखरना, कार्याध्यक्ष सुधा जैन, नि.अध्यक्ष विजया जैन द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कमलप्रभा सोजतिया, मनीषा सोजतिया, वीरेंद्रकुमार जैन एवं प्रदीप कटारिया उपस्थित थे। एक्रोपोलिस समूह के माध्यम से तकनीकी शिक्षा, शोध, नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और उद्योग आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के साथ व्यावहारिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उनके नेतृत्व में एक्रोपोलिस को राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान के रूप में विकसित करने के साथ प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन, शोध एवं नवाचार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। श्री सोजतिया का योगदान केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है। आयुर्वेदिक चिकित्सा, सामाजिक सेवा और मानव कल्याण के क्षेत्र में भी वे सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। शुभदीप आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय के माध्यम से आयुर्वेद शिक्षा एवं चिकित्सा सेवाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है।

देपालपुर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम के रजिस्ट्रेशन हुए

राहुल गांधी के कार्यक्रम में देपालपुर के युवा होंगे शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● इंदौर में होने वाले छात्रों की गूंज कार्यक्रम में लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 19 तारीख को इंदौर आ रहे हैं। इंदौर जिले में एक लाख से अधिक युवाओं के रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। इस दौरान देपालपुर के युवाओं ने भी भागीरथ सिलावट कॉलेज में युवाओं से संवाद कर इस अभियान में छात्रों के रजिस्ट्रेशन कराए हैं। 19 तारीख को बड़ी संख्या में देपालपुर से युवा और कांग्रेस नेता इंदौर जाएंगे लगातार राहुल गांधी की लोकप्रियता युवाओं में बढ़ती जा रही है। लेकिन प्रशासन ने अभी तक कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी है। लेकिन इंदौर जिले के युवाओं का जोश राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए दिखाई दे रहा है। इतना ही नहीं प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने परमिशन न देने पर सवाल उठाए हैं और प्रशासन को चुनौती दी है कि कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी तो बीच सड़क पर कार्यक्रम करेंगे इतना ही नहीं राहुल गांधी के कार्यक्रम से प्रशासन के हाथ पांव फूल रहे एक लाख रजिस्ट्रेशन से प्रशासन भी घबराया हुआ है। इस अभियान में मुख्य रूप से विशाल सिंह राणा, नरेंद्र सिंह राठौड़ , श्रीराम ठाकुर, विकास जाधव,अनुभव नकुम, युवराज पटेल, मोहित मकवाना, साहिल मंसूरी,ललित परमार, लोकेश, सतीश तंवर, धीरज मोर्य, लाल ठाकुर, विकास ठाकुर, आदि गण उपस्थिति रहे।

'छात्रों की गूंज' पर 19 को अवकाश क्यों नहीं? कुलगुरु के नाम दिया ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 19 सितंबर को प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' विद्यार्थी संवाद कार्यक्रम को लेकर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु राकेश सिंघई के नाम एग्जाम कंट्रोलर को ज्ञापन सौंपते हुए मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व संभागीय प्रवक्ता विवेक खंडेलवाल एवं ब्लॉक 14 शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश जोशी ने 19 सितंबर को विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों में अवकाश घोषित करने अथवा इच्छुक विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं उपस्थिति संबंधी पूर्ण छूट देने की मांग की।

ज्ञापन में तक्षशिला परिसर के सभी स्कूलों, विभागों एवं केंद्रों तथा विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने, सुरक्षा एवं यातायात की व्यवस्था में समन्वय करने तथा सहभागिता को पूर्णत: स्वैच्छिक रखने की मांग भी की गई।

खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाई तो होगा लाइसेंस रद्द

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिल्ली की तर्ज पर अब इंदौर में खतरनाक तरीके से वाहन चलाकर यातायात बाधित करने और जान जोखिम में डालने वाले चालकों पर सीधी एफआईआर की कार्रवाई शुरू हो गई है। केस दर्ज होने के बाद वाहन चालकों को कोर्ट से जमानत करानी होगी। न्यूनतम छह महीने के लिए लाइसेंस निलंबित होगा और आर्थिक दंड भी भरना पड़ेगा। जेल भी जाना पड सकता है। गंभीर धाराएं लगने पर जेल भी जाना पड़ सकता है। यातायात पुलिस के अनुसार अब तक 12 प्रकरणों में 21 वाहन चालकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। शहर के प्रमुख चौराहों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

ड्रोन सर्विलांस से निगरानी ड्रोन

सर्विलांस के माध्यम से भी निगरानी की जा रही है। सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन कर स्वयं के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं का जीवन संकट में डालने वाले और दुर्घटनाओं को आमंत्रण देने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस कोर्ट में चालान पेश करेगी

ट्रैफिक एडिशनल डीसीपी संतोष कौल ने बताया कि खतरनाक और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किए जा रहे हैं। इसके बाद पुलिस कोर्ट में चालान पेश करेगी। वाहन चालकों को वकील के माध्यम से कोर्ट में पेश होना होगा। दोषी पाए जाने पर कम से कम छह महीने या इससे अधिक समय के लिए लाइसेंस निलंबित किया जाएगा। साथ ही तीन

ऐसे वाहन चालक गंभीर खतरा हैं

गंभीर मामलों में सजा का प्रविधान भी है। उन्होंने बताया कि लाइसेंस निलंबन की अवधि में यदि कोई चालक फिर पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ अतिरिक्त चालानी कार्रवाई की जाएगी। एडीसीपी ने कहा कि चौराहों और सड़कों पर खतरनाक तरीके से वाहन चलाना न केवल चालक के लिए बल्कि आसपास चल रहे अन्य वाहन चालकों, पैदल यात्रियों और सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए भी गंभीर खतरा बनता है। लाल बत्ती तोड़ने, रांग साइड आकर यातायात प्रभावित करने और जाम लगाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार अपराध दर्ज कराने की कार्रवाई लगातार जारी है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 10 सितंबर 2026

न्यूज ब्रीफ

उपभोक्ता मामलों में जागरूकता के लिए जिला प्रशासन की ओर से राजेंद्र गर्ग का सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अखिल भारतीय उपभोक्ता कांग्रेस के संभागीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गर्ग को जिले के खाद्य नियंत्रक एसके मारू ने जिला प्रशासन की ओर से उपभोक्ता मामलों के प्रति आम लोगों को जागरूक करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इसी तरह संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पं. आर के शुक्ला को भी खाद्य नियंत्रक मारू द्वारा सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया।

श्वेताम्बर जैन मंदिर पर पर्युषण महोत्सव में प्रतिदिन हो रहे प्रवचन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एलआईजी लिंक रोड स्थित अनुराग नगर में प.पू. गच्छाधिपति विज्ञानप्रभ सूरीश्वर म.सा. की प्रेरणा और साध्वी प.पू. भव्यप्रभाश्रीजी म.सा. आदिठाणा 4 की निश्रा में अध्यात्मलक्षी चातुर्मास महोत्सव में प्रतिदिन जप-तप, प्रतिक्रमण, पौषध सहित विभिन्न अनुष्ठान चल रहे हैं। मंदिर पर इस दौरान 15 सितम्बर तक पर्युषण में प्रतिदिन आरती, आंगी, नए-नए संगीतकारों के साथ रात्रि को 8 से 10 बजे तक भक्ति संगीत के आयोजन भी होंगे। गच्छाधिपति विज्ञानप्रभ सूरीश्वर म.सा. की निश्रा में बड़ी संख्या में समाज बंधु मन्दिर पहुंचकर पुण्य लाभ उठा रहे हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष हेमन्त डोसी ने बताया कि पर्युषण में दिनोंदिन श्रावक-श्राविकाओं की संख्या बढती जा रही है जो मंदिर पहुंचकर अपने परम्परागत परिधान में तप-तपस्या, पौषध एवं अन्य शास्त्रोक्त क्रियाओं में अपनी उत्साहपूर्ण भागीदारी दर्ज करा रहे हैं। न्यासी मंडल की ओर से पर्युषण महापर्व के दौरान समाज बंधुओं की सुविधा के लिए सभी प्रबंध इस तरह किए गए हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को दर्शन हो सकें और वे परमात्मा के स्पर्श एवं पूजा करने का पुण्य लाभ उठा सकें।

चातुर्मास में राष्ट्रसंत प.पू सुधासागर म.सा. के पावन सानिध्य में जैन समाज में बनेगा नया कीर्तिमान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वीआई पी रोड दलाल बाग पर तीर्थ चक्रवर्ती प. पू. राष्ट्रसंत सुधासागर महाराज की पावन निश्रा में जैन समाज के इतिहास में पहली बार एक नया और यशस्वी कीर्तिमान रचने जा रहा है, जब आगामी 16 से 25 सितंबर तक यहाँ श्रावक संस्कार शिविर का विराट आयोजन होगा जिसमें देश-विदेश के 10 हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल होकर अपना गृहस्थ जीवन त्यागकर मोबाइल एवं गाड़ी-बंगले सहित वैभव से दूरी बनाकर मुनियों की दिनचर्या आत्मसात करेंगे। इन सभी साधकों को शहर के करीब 15 हजार परिवारों का आतिथ्य भी प्राप्त होगा जहाँ वे मुनियों की सादगीपूर्ण वेशभूषा में पहुंचकर भोजन एवं आतिथ्य स्वीकार करेंगे। शहर में यह अपने किस्म का पहला श्रावक संस्कार शिविर हो रहा है जिसकी व्यापक तैयारियां अब अंतिम दौर में पहुँच गई है। इनमें अनेक श्रद्धालु विदेशों से भी आ रहे हैं। मोबाइल, गाड़ी-बंगले और भौतिक सुख, साधनों से दूरी, अनुशासन और संयम का जीवन - शिविर के प्रमुख पुण्यार्जक चक्रवर्ती आकाश-आलोक जैन कोयला एवं चातुर्मास के चक्रवर्ती मनीष-सपना गोधा, नवीन-शिवानी गोधा, आनंद-अंतिका गोधा एवं सकल दिगंबर जैन धर्म प्रभावना समिति के महामंत्री हर्ष जैन ने बताया कि यह शिविर मात्र धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि श्रावकों के जीवन में संस्कार, संयम, आत्मचिंतन और आत्मकल्याण की भावना जागृत करने वाला अनूठा आध्यात्मिक प्रयोग है। 10 दिनों में शिविरार्थी बाहरी दुनिया की चकाचौंध से दूर रहकर राष्ट्रसंत के मार्गदर्शन में अनुशासित जीवन जिएंगे।

प्रदेश में यात्री परिवहन विजन समिट-2026

ग्राम पंचायतों को बस सेवा से जोड़ने की तैयारी 15 हजार से ज्यादा सार्वजनिक बसें चलेंगी

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ●मध्यप्रदेश में यात्री परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित, सुगम और पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए यात्री परिवहन विजन समिट-2026 आयोजित किया जा रहा है। समिट में प्रदेश की परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ निवेश, रोजगार और उद्योग के नए अवसर बढ़ाने पर मंथन होगा।

समिट में देशभर से परिवहन विशेषज्ञ, निजी बस ऑपरेटर, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और नीति-निर्माता शामिल होंगे। विशेषज्ञों के सुझावों के आधार पर भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यात्री परिवहन का रोडमैप तैयार किया जाएगा। प्रदेश की 75% ग्राम पंचायतों को बस सेवा से जोड़कर ग्रामीण कनेक्टिविटी मजबूत करने की भी योजना है।

15 हजार से ज्यादा सार्वजनिक बसें चलेंगी

मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं अधोसंरचना लिमिटेड के 'मोबिलिटी विजन: 2030' के तहत प्रदेश में 15 हजार से अधिक आधुनिक सार्वजनिक बसें संचालित करने का लक्ष्य है। इनसे प्रतिदिन 30 लाख से अधिक यात्रियों को सुरक्षित परिवहन सुविधा मिलने का दावा किया गया है। इसके साथ ही 180 से अधिक बस स्टैंड, टर्मिनल और डिपो का कायाकल्प किया जाएगा।

इलेक्ट्रिक बसों के विस्तार पर जोर

कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए इलेक्ट्रिक और स्वच्छ ईंधन वाली बसों के विस्तार पर जोर दिया जाएगा। फिलहाल प्रदेश में 96 पीएम ई-बस और 120 इंटरसिटी बसें संचालित हैं। अगले छह महीने में 486 पीएम ई-बस और 34 इंटरसिटी बसें और जोड़ी जाएंगी। वर्ष 2027 तक ई-बसों की संख्या बढ़ाकर 1,100 करने का लक्ष्य है। 100 बसों की क्षमता वाले आधुनिक चार्जिंग डिपो और सोलर इंफ्रास्ट्रक्चर भी तैयार किए जा रहे हैं। इससे सालाना 70 हजार टन से अधिक कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन कम होने का अनुमान है।

हर बस में 7 सीसीटीवी और पैनिक बटन

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत संचालित बसों की निगरानी इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) से की जाएगी। इसके लिए मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और उसकी सात सहायक कंपनियों में कमांड-कंट्रोल सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इन सेंटरों से बसों की लोकेशन, संचालन और टाइमिंग की रियल टाइम निगरानी होगी। महिला और बाल सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बसों में 7 सीसीटीवी कैमरे, पैनिक बटन और रियल टाइम व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम लगाए जा रहे हैं। पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, ड्राइवरों की तकनीकी ट्रेनिंग और त्वरित शिकायत निवारण की व्यवस्था भी की जाएगी।

चंद्रवंशी यादव समाज द्वारा कुलदेवता कृष्ण के जन्मोत्सव पर आयोजित महोत्सव का समापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री चंद्रवंशी यादव समाज इंदौर के तत्वावधान में अपने कुलदेवता भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर आयोजित 5 दिव्सोय महोत्सव का समापन बड़ी धूमधाम से हुआ। जगजीवनराम नगर स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर से पहले दिन भगवान के रथ एवं पालकी सहित भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें अनेक राजनेता, संत एवं विद्वान तथा विभिन्न समाजों के गणमान्य बंधु भी शामिल हुए। समाज के अध्यक्ष संतोष यादव, नारायणसिंह यादव एवं रोहित यादव ने बताया कि शोभायात्रा मंदिर से पाटनीपुरा चौराहा, नंदानगर मेनरोड, परदेशीपुरा चौराहा होते हुए राधा-कृष्ण मंदिर पहुंची, जहां समापन पर महाआरती के बाद फलाहारी प्रसाद का वितरण भी हुआ। दूसरे दिन नंदोत्सव, तीसरे दिन भजन संध्या, चौथे दिन सम्मान समारोह एवं पांचवे दिन सामूहिक प्रार्थना के साथ समापन हुआ। इस महोत्सव में महामंडलेश्वर दादू महाराज, महामंडलेश्वर नितिन महाराज, भागवताचार्य विवेकानंद एवं वृन्दावन के बाल संत ऋषभदास महाराज भी शामिल हुए।

जीवन की प्रत्येक गतिविधि में धर्म को शामिल कर लें तो यही धर्म मोक्षरूपी बरात का माध्यम बन जाएगा - अटल मुनि

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिस तरह परिवार में होने वाले मांगलिक प्रसंगों में हम अक्षत, कुमकुम एवं अन्य पूजन सामग्री से शुभारंभ करते हैं उसी तरह जीवन की प्रत्येक गतिविधि में यदि धर्म को शामिल कर लिया जाए तो यही धर्म हमारी मोक्षरूपी बरात का माध्यम बन जाएगा। हम बरसों पुराने गीतों और फिल्मों के नाम तो याद रख लेते हैं लेकिन स्वाध्याय और आगम की गाथाएँ याद रखने में अभी बहुत पीछे हैं। आवश्यकता है श्रद्धा, भक्ति और समर्पण की। ये प्रेरक विचार हैं साधुमार्गी जैन समता संघ के तत्वावधान में गुमास्ता नगर स्थित मुकुट मांगलिक परिसर में चल रहे पर्युषण महापर्व की धर्मसभा में शासन दीपक अटल मुनि म.सा. के, जो उन्होंने शासन दीपक आदित्य मुनि म.सा. आदिठाणा 3 के सानिध्य में व्यक्त किए। पर्युषण महापर्व में साधुमार्गी जैन समता संघ द्वारा विन्ध्याचल नगर, गुमास्ता नगर एवं यशवंत निवास रोड स्थित समता भवन पर भक्तामर पाठ, प्रार्थना, अंतगढ़ सूत्र वाचन, धर्मसभा सहित विभिन्न अनुष्ठान हो रहे हैं। समता भवन पर शासन दीपिका श्रीकांताश्रीजी म.सा. के सानिध्य में बड़ी संख्या में समाज बंधु आकर जिनवाणी श्रवण, आत्मसाधना एवं स्वाध्याय का लाभ ले रहे हैं। इन तीनों स्थानों पर पर्युषण के दौरान बाहर गाँव से पढने आए विद्यार्थियों के लिए एकासन, बियासना एवं चौविहार के निमित्त निशुल्क भोजन की व्यवस्था प्रतिदिन सुबह 11 से 12.30 और शाम 5 से 6.15 बजे तक रखी गई है जिसका प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं लाभ उठा रहे हैं।

मप्र से मिले डायल-112 पायलट, सुपरवाइजर का किया समर्थन

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● धार जिले के डायल-112 पायलटों ने अपने जिला सुपरवाइजर मनोज परमार के समर्थन में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। पायलटों ने मनोज परमार पर विकास जाट द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को झूठा और बेबुनियाद बताया। पायलटों ने कहा कि मनोज परमार ने आज तक किसी भी पायलट से पैसे नहीं मांगे। उन्होंने पैसे न देने पर किसी तरह का दबाव नहीं बनाया और न ही ट्रांसफर की धमकी दी। पायलटों के मुताबिक, ड्यूटी के दौरान किसी कर्मचारी को कोई व्यक्तिगत परेशानी होने पर सुपरवाइजर को बताया जाता है, जिसका समाधान करने में वे मदद करते हैं। पायलटों के अनुसार, विकास जाट पहले डायल-112 में पायलट था, लेकिन अब वह सेवा में नहीं है। पायलटों का आरोप है कि विकास जाट निजी कारणों से मौजूदा कर्मचारियों पर मनोज परमार के खिलाफ शिकायत करने और प्रचार करने का दबाव बना रहा है। पायलटों ने चिंता जताई कि ऐसे आरोपों से डायल-112 की छवि खराब हो रही है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी व्यक्ति के खिलाफ नियमों के अनुसार कार्रवाई करने की मांग की।

आज स्नेह नगर स्थित वृन्दावन वाटिका से निकलेगी राणीसती दादी की भव्य पालकी और प्रभातफेरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री अग्रोहा कपल ग्रुप एवं जय दादी दरबार की मेजबानी में गुरुवार को भादवी अमावस्या के उपलक्ष्य में सुबह 7 बजे स्नेह नगर स्थित हनुमान मंदिर, वृंदावन गार्डन से अग्रवाल नगर स्थित राणी सती दादी के मंदिर तक भव्य प्रभातफेरी की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। बुधवार को स्नेह नगर में आयोजित बैठक में 45 महिला संगठनों से जुडी सैकड़ों बहनों ने प्रभातफेरी को भव्य और दिव्य बनाने का संकल्प लेते हुए प्रभातफेरी की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया। प्रभातफेरी का शहर के 200 से अधिक परिवारों में घर-घर स्वागत और पूजन किया जाएगा। पिछले 13 वर्षों से चली आ रही प्रभातफेरी की इस परंपरा में पटेल नगर, मनीष बाग एवं अग्रवाल नगर के सैकड़ों परिवार शामिल होंगे। यह यात्रा स्नेह नगर से प्रारम्भ होकर अग्रवाल नगर स्थित राणीसती दादी मंदिर पहुंचेगी। प्रभातफेरी में शहर की महिलाएं राजस्थानी चुनरी और पुरुष श्वेत परिधान में शामिल होंगे। प्रभातफेरी में दादी राणीसती को एक सुश्रृंगारित रथ पर विराजित कर बैंड-बाजों और भक्ति-संगीत की मनोहारी सुर-लहरियों के बीच नाचते-गाते श्रद्धालुओं द्वारा जगह-जगह स्वागत के बाद मंदिर तक ले जाया जाएगा।

सोयाबीन नुकसान का मुआवजा, बीमा राशि 15 दिन में दिलाएं

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खरीफ 2025 में सोयाबीन की फसल को हुए नुकसान के बावजूद अब तक मुआवजा और फसल बीमा राशि नहीं मिलने से खालवा तहसील के किसानों में नाराजगी है। किसानों की समस्या को लेकर बुधवार को खालवा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बसंत पंवार के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, हरसूद के कार्यालय पहुंचे। कांग्रेस ने प्रभावित किसानों को फसल नुकसान की मुआवजा राशि और लंबित बीमा क्लेम का भुगतान 15 दिन के भीतर कराने की मांग की है।

इंदौर में राष्ट्रीय जिनशासन एकता संघ का वार्षिक सम्मेलन

कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक मंच पर जुटेगा समंग्र जैन समाज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के दलालबाग विद्या सुधा देशना मंडप में राष्ट्रीय जिनशासन एकता संघ का वार्षिक सम्मेलन एवं स्थापना दिवस तीर्थ चक्रवर्ती निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज संसघ के पावन सानिध्य में ऐतिहासिक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। राष्ट्रीय जिन शासन के प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि सम्मेलन में मध्य प्रदेश के अनेक जिलों सहित राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण भारत से आए हजारों समाजजनों की उपस्थिति में जैन समाज की सुरक्षा, धर्म संस्कृति और स्वाभिमान के लिए राष्ट्रव्यापी संकल्प लिए गए।

मुनि श्री सुधा सागर महाराज का पावन संदेश ओजस्वी प्रवचन में संपूर्ण जैन समाज को दिशा निर्देश देते हुए महत्वपूर्ण आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। मुनिश्री ने प्रेरणा दी कि समाज में किसी भी प्रकार का पंथ, संत वर्ग या जाति का भेद नहीं होना चाहिए। जो भी देव, शास्त्र और गुरु का सच्चा भक्त है, वह सब एक हैं और एक-दूसरे के पूरक हैं। धर्म की सुरक्षा के लिए संपूर्ण समाज को एक ध्वज तले संगठित होना अनिवार्य है। संतों का जीवन और धर्म का मूल विचार सदैव धर्म संस्कृति एवं जन-जन के कल्याण के लिए होता है। जिस प्रकार नदियाँ दूसरों के लिए बहती हैं, वृक्ष दूसरों को फल देते हैं और गाय परोपकार के लिए दूध देती है, उसी प्रकार हर व्यक्ति को अपने जीवन का कुछ समय समाज, धर्म संस्कृति की सुरक्षा और पीड़ित मानवता की सेवा में समर्पित करना चाहिए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

सम्पादकीय

शब्दः संबंधों का शिल्पी और विनाशक

शब्द केवल ध्वनियों का संयोजन नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का प्रतिबिंब और उसकी चेतना का विस्तार हैं। ये दिखने में अत्यंत सूक्ष्म और निशब्द प्रतीत होते हैं, किंतु इनकी अंतर्निहित शक्ति इतनी विराट होती है कि ये एक क्षण में किसी के जीवन में नव-ऊर्जा का संचार कर सकते हैं और अगले ही क्षण बनी-बनाई दुनिया को ढहा सकते हैं। शब्द वे अदृश्य अस्त्र हैं, जो बिना किसी कटु गर्जना या आघात के, आत्मा के सबसे गहरे आवरण को चीरकर रख देते हैं। जब कोई संबंध टूटता है, तो आवश्यक नहीं कि वहाँ कोई कोलाहल या भयंकर संग्राम हुआ हो। अक्सर सबसे गहरे कटाव मौन और असावधानी में फेंके गए दो-चार कड़वे शब्दों से होते हैं। ये उतावलेपन में कहे गए शब्द मन के भीतर विष की भाँति रिसते रहते हैं और समय के साथ आत्मीयता के वृक्ष को अंदर ही अंदर सुखाकर निष्प्राण कर देते हैं। शरीर पर लगा आघात औषधियों से भर जाता है, किंतु वाणी का घाव ताउम्र रिसता रहता है। दूसरी ओर, बिखरे हुए संबंधों को पुनर्जीवित करने के लिए किसी आडंबर या बड़े-बड़े वादों की आवश्यकता नहीं होती। किसी हताश और टूटे हुए हृदय के लिए सही समय पर बोला गया एक करुणा से भरा, सच्चा वाक्य ही पूरी दिशा बदल देता है। वह एक शब्द ही पर्याप्त होता है जो गिरते हुए विश्वास को थाम ले और मन के सारे संशय धो डाले। इसीलिए, ज्ञानी जन कहते हैं कि शब्दों को कभी उछाला नहीं जाता, उन्हें सदैव विवेक के तराजू पर तौला जाता है। मुख से निकला हुआ शब्द धनुष से छूटे बाण की भाँति होता है, जिसकी दिशा और आघात पर फिर आपका कोई नियंत्रण नहीं रहता।

यही शब्द तय करते हैं कि आपके रिश्ते समय की कसौटी पर खरे उतरकर निखरेंगे या असमय बिखरकर इतिहास बन जाएँगे!

सतीश शर्मा

दूसरों की चमकती जिंदगी में खुद को तलाशते बच्चे

बचपन कभी चीजों का हिसाब नहीं रखता था; अब उसे सिखाया जा रहा है कि उसकी पहचान भी चीजों से बनती है। किसके पास महँगा फोन है, किसके कपड़े बेहतर हैं, कौन कहाँ घूमकर आया, किसके घर में कैसी सुविधा है-तुलना की यह दौड़ बच्चों के मन तक पहुँच गई है। स्क्रीन पर हर ओर चमकता जीवन दिखाई देता है-महँगे फोन, कपड़े, कारें, यात्राएँ, पार्टियाँ, शानदार घर और मुस्कुराते चेहरे। धीरे-धीरे बच्चा मानने लगता है कि सुख वही है जो दूसरों के पास है और वह तभी महत्वपूर्ण है, जब उसके पास भी वैसा ही जीवन हो। यहीं से कमी वस्तुओं में नहीं, मन में पैदा होने लगती है।

अब बच्चे अपने जीवन को अपनी आँखों से कम, दूसरों की दिखाई हुई जिंदगी से अधिक देखने लगे हैं। कभी तुलना पड़ोस तक थी, आज पूरी दुनिया उनके सामने है। सोशल मीडिया का अदृश्य आईना हर दूसरे व्यक्ति को अधिक सुंदर, सफल और खुश दिखाता है। फिर मन पूछता है- 'उसके पास यह है, मेरे पास क्यों नहीं?' माता-पिता की आर्थिक क्षमता जहाँ इच्छाओं की सीमा तय करती है, इंटरनेट वहाँ कोई सीमा नहीं छोड़ता। धीरे-धीरे किसी चीज का अभाव बच्चे को अपने भीतर का अभाव लगने लगता है; उसे लगता है कि वह पीछे है, कम है, अधूरा है। जबकि सच यह है कि बच्चे की कीमत उसके जूते, फोन, कपड़ों या घर की कीमत से नहीं आँकी जा सकती।

स्क्रीन की दुनिया बच्चे को केवल दृश्य नहीं देती, वह उसके मन के लिए नए पैमाने भी गढ़ती है। साइबर बुलिंग के ताने, उपहास और अपमान स्क्रीन पर खत्म नहीं होते; वे भीतर उतरकर आत्मविश्वास को चोट पहुँचाते हैं। फिल्टर और संपादित तस्वीरें चेहरे और शरीर की ऐसी कृत्रिम कसौटी बनाती हैं, जिस पर लड़के-लड़कियाँ अपने वास्तविक रूप को तौलने लगते हैं। ऑनलाइन गेमिंग और लगातार स्क्रीन से जुड़े रहना नींद, एकाग्रता और दिनचर्या को प्रभावित कर सकता है। आभासी दुनिया की जीत में डूबा बच्चा धीरे-धीरे उस वास्तविक दुनिया से दूर होने लगता है, जहाँ उसके रिश्ते, सपने और जीवन सचमुच मौजूद हैं।

एक बच्चे के भविष्य पर फैसला सुनाने के लिए हमने एक प्रश्नपत्र को इतनी ताकत दे दी

है कि उसके सामने बचपन, सपने और संभावनाएँ छोटे पड़ने लगे हैं। कोचिंग की भीड़, रैंक की होड़, अंकों का दबाव और माता-पिता की अपेक्षाएँ असफलता को सामान्य पड़ाव नहीं, अंतिम फैसला बना देती हैं। कोटा जैसे शहरों की घटनाएँ इस संकट का कठोर चेहरा दिखाती हैं। हमें पूछना होगा—भविष्य की तैयारी के नाम पर कहीं हमने बच्चों का वर्तमान और बचपन तो नहीं छीन लिया? परीक्षा केवल योग्यता की कसौटी है, जिंदगी की नहीं। एक परिणाम किसी सपने की राह बदल सकता है, लेकिन किसी बच्चे की संभावनाओं पर पूर्णविराम नहीं लगा सकता।

घर में दरवाजे होते हैं, पर बच्चों के मन के दरवाजे धीरे-धीरे बंद हो जाएँ तो कोई आवाज सुनाई नहीं देती। माता-पिता काम में, बच्चे स्कूल और कोचिंग में—एक ही छत के नीचे रहते हुए भी सब अपनी-अपनी दुनिया में सिमटते जाते हैं। कभी परिवार साथ बैठकर खाना खाता और बातें करता था; अब कई बार संवाद संदेशों में रह गया है। माता-पिता पूछते हैं— 'क्या हुआ?' बच्चा कहता है- 'कुछ नहीं।' इस 'कुछ नहीं' को सुनना जरूरी है। बच्चों को हर बार समाधान नहीं चाहिए; कई बार उन्हें बस ऐसा अपना चाहिए, जो बिना टोके, बिना परखे उनकी बात सुन ले। उन्हें यह भरोसा चाहिए कि घर वह जगह है जहाँ वे सफलता ही नहीं, अपनी हार, डर और कमजोरी लेकर भी लौट सकते हैं।

बच्चे के कंधों पर आज बस्ते के साथ आने वाले कल का डर भी है। एआई नौकरियाँ बदल देगा तो हमारा क्या होगा? बढ़ती महँगाई, जलवायु संकट और बदलती दुनिया के सवाल उनके मन में भय भर रहे हैं। इस डर में वे परिवार से दूर होने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि बड़े उनकी दुनिया समझ नहीं सकते। यह दूरी टूटनी चाहिए। माता-पिता को हर सवाल का जवाब नहीं, बच्चे के पास बैठना जरूरी है। सलाह बाद में, पहले हाथ थामा जा सकता है। शिक्षक, अभिभावक और समाज बच्चे के व्यवहार में आए गंभीर बदलावों को अनदेखा न करें। जरूरत हो तो भरोसेमंद वयस्क या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ की मदद लेना कमजोरी नहीं, जिम्मेदारी है।

दूसरों की रोशनी में अपना चेहरा मत तलाशो। स्क्रीन पर दिखने वाली जिंदगी पूरी जिंदगी नहीं होती; वहाँ दिखाई देने वाली चमक तुम्हारी रोशनी कम नहीं करती। किसी के अधिक अंक तुम्हारा मूल्य नहीं घटाते, न किसी की महँगी चीजें तुम्हारे जीवन को छोटा बनाती हैं। सोशल मीडिया से थोड़ा दूर हटो; प्रकृति, किताब, खेल, संगीत या चित्रकारी जैसे कामों में लौटो—ऐसे काम, जिनमें किसी को प्रभावित करने की जरूरत न हो। और जब मन में तूफान उठे, चुप मत रहो। माँ-पिता, शिक्षक, रिश्तेदार या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से कहो— 'मैं ठीक महसूस नहीं कर रहा हूँ।' यह कमजोरी नहीं, अपने जीवन के पक्ष में उठाया गया साहस है।

बच्चों को आगे बढ़ाना जरूरी है, लेकिन पहले उन्हें भरोसा दें कि पीछे रह जाने पर भी वे हमारे अपने हैं। फोन पुराने होंगे, फैशन बदलेंगे, अंक भूल जाएंगे और लाइक्स का शोर थम जाएगा; मगर आत्मसम्मान और रिश्ते साथ रहेंगे। बच्चे से यह मत कहिए कि वह तभी खास है जब जीते; उसे कहिए-हार में भी उसकी जगह हमारे दिल में उतनी ही है। वह किसी ब्रांड, नंबर या स्क्रीन से बड़ा है। जिंदगी की असली जीत दुनिया की नजर में बड़ा दिखना नहीं, अपनी नजर में खुद को छोटा न होने देना है। और बच्चों, अगर कभी अँधेरा लगे, तो उसे अंतिम सच मत मानना। रात के बाद सुबह होती है। चुप मत रहना-बोलना, किसी भरोसेमंद इंसान का हाथ थामना और जरूरत हो तो मदद माँगना।

कृति आरके जैन
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

भीड़ का मनोविज्ञान और जन आंदोलनों का काला सच

भीड़ की एक विशेषता होती है, कि उसमें निर्णय लेने की क्षमता व चिंतन शक्ति का अभाव होता है। भीड़ विवेकहीन होती है। भेड़ की मानिंद उसका अपना चिंतन नहीं होता। वह केवल अंधी होती है, अनुसरण करना उसकी विवशता होती है। दिल्ली का जंतर मंतर हो या देश के किसी भी हिस्से में लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग करने वाले जन आंदोलन। जनांदोलनों की भीड़ का हिस्सा बने लोगों को इतनी समझ नहीं होती, कि वे भीड़ भरे प्रदर्शन में शामिल होने की वजह भी बता सकें।

वस्तुस्थिति यह है कि आंदोलन के नाम पर अराजक तत्वों द्वारा मुफ़्त के भोज्य पदार्थ बाँटने के स्रोत उजागर नहीं होते। आंदोलनकारी स्वयं विश्वसनीय नहीं हैं।उनकी पहचान और आय के स्रोत स्पष्ट नहीं हैं, फिर उनके द्वारा किए जाने वाले आंदोलन की विश्वसनीयता कैसे सिद्ध हो? सरकार को नीचा दिखाने या अराजक आंदोलन करके बिना किसी आधार के आंदोलन करना फैशन बन चुका है। शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग करने वाला कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन हो या हताश निराश विपक्षी दलों समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी और कॉंग्रेस समर्थन से सरकार की कमियां गिनाने वाला आंदोलन,भले ही लम्बे आंदोलन के उपरान्त अराजकता प्रदर्शित करने वाले आंदोलन को सफल मानकर कथित आंदोलनकारी विजय पर्व मनाएं, किन्तु तार्किक दृष्टि से ये जनांदोलन नहीं कहे जा सकते।

इस प्रकार के आंदोलन का काला सच तो आंदोलन संचालन में की गई फंडिंग के स्रोतों की जांच के बाद उजागर होगा, लेकिन सत्ता की घुटना टेक नीति इस प्रकार के आंदोलन को हवा देने में अधिक कारगर सिद्ध हुई है। बहरहाल इस आंदोलन के बाद सन 1950 से शिक्षा एवं नौकरी के क्षेत्र में प्रतिभा हंता आरक्षण की पुनर्समीक्षा के लिए किये गए आंदोलन का सत्य भी सर्व सम्मुख है। आरक्षण से जनित जातीय वोट बैंक को साधने के लिए सभी राजनीतिक दल किस प्रकार से देश की भयावह विभेदकारी समस्या के प्रति गंभीर है, उसका खुलासा समस्या के विरोध में किये गए जन आंदोलन की परिणति से मिलता है, कि किस प्रकार सत्ता और विपक्ष के नेताओं द्वारा नकारा गया। जहाँ कॉकरोच जनता पार्टी के अराजक आंदोलन की पीठ थपथपाने में विपक्षी दल पीछे नहीं रहे, वहीं सामाजिक जातीय विघटन के प्रतीक आरक्षण के विरोध में विपक्षी दलों को भी सांप सूंघ गया। वस्तुस्थिति यह है कि व्यक्तिगत हित साधने के लिए कुछ लोग समाज में द्वेष के बीज बोने में जुटे हैं। पहले तो एस सी एस सी एक्ट का दुरुपयोग अन्य जातियों के विरुद्ध होता था, अब सजातीय अपराधियों की जाति छिपाकर पुलिस प्रशासन के विरुद्ध धरने प्रदर्शन करना भी फैशन बन चुका है। क्योंकि जातीय उत्पीड़न का आरोप इनके द्वारा किये जाने वाले आंदोलन की फंडिंग की जाँच को भी उत्पीड़न की श्रेणी में ले आता है। उत्तरप्रदेश के चुनावी वर्ष में जनसाधारण में जातीय अलगाव व द्वेष उत्पन्न करने के दुष्प्रयासों को रोकने के लिए सरकार की जांच एजेंसियों का दायित्व बढ़ गया है, कि राष्ट्र विरोधी तत्वों की हरकतों पर कठोर नियंत्रण रखें। राजनीतिक लाभ हानि राजनेताओं के लिए तुष्टिकरण का विषय हो सकती है, लेकिन राष्ट्र की एकता व अखण्डता के विरुद्ध किसी भी अराजक कृत्य को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया सकता।

डॉ. सुधाकर आशावादी-विनायक फीचर्स

आंचलिक

उमंग सिंघार ने गंधवानी में शुरू किया गणेश प्रतिमाओं का वितरण

बच्चों की मांग पर स्कूल के लिए बोरिंग और खेल सामग्री तत्काल स्वीकृत

अजय नलवाया (7879800048)

धार ● दैनिक इंदौर संकेत

मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष और गंधवानी विधायक उमंग सिंघार ने बुधवार से अपने विधानसभा क्षेत्र में श्री गणेश प्रतिमाओं का वितरण शुरू कर दिया है। इस दौरान दौलतपुरा स्कूल के पास बच्चों का स्नेह देखकर उन्होंने अपना काफिला रोका और आत्मीय संवाद किया, जहां नन्हे-मुन्नों ने उनसे स्कूल भवन, पीने के पानी के लिए बोरिंग और खेलकूद की सामग्री की मांग की। सिंघार ने बच्चों की इन बुनियादी जरूरतों को तुरंत स्वीकार कर लिया, जिससे बच्चों और शिक्षकों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

17 सालों से जारी है परंपरा

उमंग सिंघार पिछले 17 वर्षों से लगातार क्षेत्र में गणेश प्रतिमाओं का वितरण करते आ रहे हैं। इस बार इस सामाजिक व धार्मिक परंपरा की शुरुआत उन्होंने बुधवार को सलकनपुर से की। सलकनपुर में जाट धर्मशाला में पंखे लगवाने के लिए उन्होंने 1,50,000 रुपये की राशि स्वीकृत की। इसके बाद वे दौलतपुरा पहुंचे, जहां स्कूली बच्चों ने उनका जोरदार स्वागत किया और यहीं से प्रतिमाओं के वितरण की औपचारिक शुरुआत हुई। दौलतपुरा के बाद उन्होंने भूतिबावड़ी और सिंधकुवा पहुंचकर भी गणेश समितियों को प्रतिमाएं भेंट कीं। आगामी दो दिनों में एक हजार प्रतिमाओ का वितरण किया जायेगा।

गुरुवार का दौरा कार्यक्रम

निर्धारित शेड्यूल के अनुसार, गुरुवार को सिंघार सुबह 10 बजे धार से प्रस्थान कर गंधवानी विधानसभा क्षेत्र पहुंचेंगे। वे अपने इस दौरे के दौरान बालेड़ी, बावड़ीखोदरा और जीराबाद जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर श्री गणेश प्रतिमाओं का वितरण करेंगे और स्थानीय नागरिकों से मुलाकात करेंगे।

स्थानीय जनता और कार्यकर्ताओं में सिंघार के इस जन-संवाद और त्वरित निर्णय लेने की शैली को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। बच्चों की मांगों पर तत्काल मुहर लगाकर उन्होंने एक बार फिर अपनी जन-हितैषी कार्यशैली का परिचय दिया है।

जयस ने भाजपा प्रवक्ता को भेजा नोटिस

'दलाली' करने का आरोप लगाया था

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर ● भाजपा प्रवक्ता हितेश बाजपेयी के 'दलाली' वाले बयान पर जयस संगठन ने कड़ा विरोध जताया है। बाजपेयी ने जयस से जुड़े युवाओं पर भाजपा से 'दलाली' करने का आरोप लगाया था। जयस के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. हिरालाल अलावा ने इन आरोपों को गलत बताया है। इस मामले में 9 सितंबर बुधवार को भाजपा प्रवक्ता हितेश बाजपेयी को कानूनी नोटिस भेजा गया है। यह चार पेज का नोटिस मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के अधिवक्ता सम्यक जैन ने भेजा है। डॉ. अलावा ने जयस से जुड़े युवाओं से सोशल मीडिया पर इस बयान का विरोध करने को कहा है। उन्होंने बाजपेयी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। डॉ. अलावा ने चुनौती दी कि अगर बाजपेयी ने किसी जयस कार्यकर्ता पर दलाली का आरोप लगाया है, तो वे उन लोगों के नाम बताएं। ऐसा न करने पर उन्हें अपने बयान के लिए माफी मांगनी होगी। डॉ. अलावा ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रवक्ता के इस बयान से जयस संगठन की छवि खराब हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बाजपेयी माफी नहीं मांगते और आरोपों से जुड़े नाम सार्वजनिक नहीं करते, तो संगठन कानूनी कार्रवाई करेगा।

बड़वाह में फोरलेन सड़क का सर्वे शुरू,100 मीटर पर लग रहे जमीन अधिग्रहण के निशान

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह ● धामनोद से बड़वाह के बीच बनने वाली फोरलेन सड़क का काम अब तेजी से शुरू हो गया है। महेश्वर तहसील में जमीन नापने का काम पूरा होने के बाद अब बड़वाह तहसील में भी सड़क बनाने की सरकारी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बड़वाह तहसील में आने वाली प्रस्तावित जमीन पर निशान लगाने का काम राजस्व विभाग और डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) एजेंसी ने मिलकर शुरू किया। मंगलवार को दिनभर चले इस काम के दौरान बफलगांव के पास से गुजर रहे फोरलेन के लिए निशान लगाए गए। तकनीकी टीम और राजस्व अधिकारियों का दल सड़क के समानान्तर 100 मीटर पर निशान लगा रहा है, जिसे अधिग्रहित किया जाएगा। जमीन नापने के साथ-साथ इस दायरे में आने वाली सभी निजी और सरकारी संपत्तियों की पूरी लिस्ट भी बन रही है, जिसमें घर, बाउंड्रीवॉल, कुएं और पेड़ शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह सर्वे का काम पूरे हफ्ते चलेगा।

बता दें कि मध्य प्रदेश कैबिनेट ने धामनोद से बड़वाह तक करीब 62.79 किलोमीटर लंबे इस फोरलेन मार्ग के लिए 2508.21 करोड़ रुपए की लागत मंजूर की है। हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (HAM) पर बनने वाले इस बड़े प्रोजेक्ट के तहत महेश्वर रोड से लेकर बड़वाह बायपास तक सड़क के दोनों ओर 100-100 फीट तक की जमीन ली जाएगी। इस जमीन अधिग्रहण से प्रभावित होने वाले मालिकों को सरकारी नियमों के हिसाब से मुआवजा देने की तैयारी की जा रही है।

इस फोरलेन के बनने से इलाके में ट्रैफिक आसान होगा और दो बड़े राष्ट्रीय राजमार्गों के बीच जुड़ाव बेहतर होगा। मंगलवार को सर्वे के दौरान हल्का पटवारी आलोक कुलश्रेष्ठ, डीपीआर एजेंसी के इंजीनियर विजय कुमार सोनी के साथ तकनीकी दल और राजस्व कर्मचारी मौजूद थे।

पदोन्नति के साथ बढ़ा दायित्व, नई जिम्मेदारियों के लिए तैयार हुए तीन पुलिस अधिकारी

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● पुलिस विभाग में पदोन्नति के अवसर को गरिमापूर्ण बनाने के लिए आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय, धार में उप निरीक्षक से निरीक्षक के पद पर पदोन्नत हुए राहुल चौहान (थाना नौगांव), श्रीमती हिना जोशी (थाना सेक्टर-01) एवं श्री राजेश चौहान (थाना पीथमपुर-बगदून) की पीपिंग सेरेमनी आयोजित की गई।

समारोह में पुलिस अधीक्षक धार सचिन शर्मा (भा.पु.से.) ने पदोन्नत अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पदोन्नति केवल पद में वृद्धि नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों में विस्तार और नेतृत्व क्षमता के नए दायित्व का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त की कि वे अपनी कार्यकुशलता, अनुशासन, संवेदनशीलता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ पुलिस विभाग की गरिमा को और ऊंचा करेंगे तथा आमजन की सुरक्षा एवं सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।

पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने पदोन्नत अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ईमानदारी, अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण ही एक सफल पुलिस अधिकारी की पहचान है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विजय डावर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारूल बेलापुरकर, एसडीओपी बदनावर अरविंद तोमर, रक्षित निरीक्षक पुरुषोत्तम बिश्नोई, सूबेदार रविन्द्र कुशवाह सहित पदोन्नत अधिकारी, उनके परिवारजन एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

12 सितंबर को रोजगार मेला, 5वीं पास को भी मौका, ट्रेनिंग में 13 हजार स्टाइपेंड

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● वन विभाग खंडवा की ओर से हरसूद तहसील के चारखेड़ा स्थित तितली पार्क में 12 सितंबर, शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में स्थानीय युवाओं को निजी कंपनियों में रोजगार पाने का मौका मिलेगा। कार्यक्रम में मंत्री डॉ. विजय शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। डीएफओ राकेश कुमार डामोर के अनुसार, मेले का उद्देश्य ऐसे युवाओं को रोजगार से जोड़ना है, जिन्होंने कम से कम 5वीं से 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की है या स्नातक की पढ़ाई पूरी नहीं कर सके हैं। निजी कंपनियों की ओर से अलग-अलग तकनीकी और ऑपरेटर पदों के लिए युवाओं का चयन किया जाएगा।

रोजगार मेले में स्पिनिंग ऑपरेटर, वीविंग ऑपरेटर, प्रोसेस ऑपरेटर, मशीन ऑपरेटर, फिटर और इलेक्ट्रिशियन जैसे पदों पर नौकरी के अवसर मिलेंगे। तकनीकी काम में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह रोजगार पाने का मौका होगा। चयनित युवाओं को ट्रेनिंग के दौरान प्रतिमाह 13 हजार रुपए तक वेतन दिया जाएगा। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद वेतन 13 हजार से 18 हजार रुपए प्रतिमाह तक हो सकता है। संबंधित कंपनी की ओर से हॉस्टल की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

रोजगार मेला 12 सितंबर, शनिवार को सुबह 10 बजे शुरू होगा। इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित समय पर तितली पार्क, चारखेड़ा, तहसील हरसूद, जिला खंडवा पहुंचना होगा। मेले में शामिल होने वाले युवाओं को अपने मूल दस्तावेज साथ लाने होंगे। इनमें पहचान पत्र, शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, फोटो सहित अन्य जरूरी दस्तावेज शामिल हैं।

सेमीफाइनल में बांग्लादेश से भिड़ेगा भारत, आज दुबई में खेला जाएगा एशिया कप का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी) ● वूमंस एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल्स का शेड्यूल कन्फर्म हो चुका है। इस टूर्नामेंट का आखिरी लीग मैच मेजबान यूएई और बांग्लादेश के बीच खेला गया। उस मैच में बांग्लादेश की टीम ने बाजी मारी और सेमीफाइनल का टिकट कटाया। इस तरह टॉप 4 की सभी टीमें फाइनल हो गईं। टीम इंडिया ने सबसे पहले सेमीफाइनल का टिकट कटाया था, जबकि इसके बाद श्रीलंका ने दूसरे ग्रुप से टॉप 4 में जगह सुनिश्चित की थी। वहीं, पाकिस्तान की टीम ने टीम इंडिया के ग्रुप से सेमीफाइनल में एंट्री मारी और अब बांग्लादेश की टीम ने भी इन तीनों को ज्वाइन कर लिया है। वूमेन्स एशिया कप 2026 के ग्रुप ए से टीम इंडिया और पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में पहुंची है, जबकि ग्रुप बी से श्रीलंका और बांग्लादेश ने टॉप 4 में एंट्री की है। ऐसे में दोनों सेमीफाइनल दो अलग-अलग ग्रुप वाली टीमों के बीच होंगे। टीम इंडिया और बांग्लादेश के बीच मुकाबला गुरुवार 10 सितंबर को दुबई में शाम 8 बजे होगा। वहीं, दूसरा सेमीफाइनल श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच आयोजित होगा, जो शुक्रवार 11 सितंबर को दुबई में ही खेला जाएगा।

भारतीय टीम से मुकाबले के लिए तैयार हैं: सैंटनर

ऑकलैंड (एजेंसी) ● न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा है कि उनकी टीम भारत का मुकाबला करने के लिए तैयार है। सैंटनर ने ये बातें भारतीय टीम के आगामी न्यूजीलैंड दौरे को लेकर कही हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से हमने भारत दौरे में जीत दर्ज की थी। ठीक उसकी प्रकार से अब भारतीय टीम हमें हराकर हिसाब बराबर करना चाहेगी। कीवी टीम ने इस साल जनवरी में भारतीय टीम को तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हराया था। इसके अलावा, 2024 में उन्होंने भारत में 3-0 से टेस्ट सीरीज जीतकर इतिहास रचा था, जो भारतीय हालातें में एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं अब भारतीय टीम न्यूजीलैंड का दौरा करने वाली है। उनका यह दौरा 22 अक्टूबर को पांच मैचों की टी20 और इतने ही मैचों की एकदिवसीय सीरीज से होगा। ये 15 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में और दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा।

नितीश रेड्डी-वॉशिंगटन अफगानिस्तान सीरीज के लिए फिट

नई दिल्ली (एजेंसी) ● हाल में लगी चोटों के कारण ऐक्शन से बाहर रहे ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर को बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ से दोबारा खेलने की मंजूरी मिल गई है। इसका मतलब यह है कि दोनों अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज़ के लिए उपलब्ध रहेंगे। रेड्डी क्वाड्रिसेप्स की चोट के कारण हाल के आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरों से बाहर रहे थे, जबकि वॉशिंगटन हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में हुई दो टेस्ट मैचों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे। हालांकि अब दोनों पूरी तरह से फ़िट हैं।

दोनों को 13 सितंबर से शुरू होने वाली अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए चुना गया था, लेकिन यह फ़िटनेस मंजूरी मिलने पर निर्भर था। तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और हर्षित राणा की स्थिति अभी पता नहीं चली है। इन्हें भी फ़िटनेस मंजूरी मिलने की शर्त पर टीम में चुना गया है। अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज 13 सितंबर से दिल्ली में शुरू होगी।

तापसी पन्नू स्टारर 'गांधारी' बनी नेटफ्लिक्स पर फिल्म ओपनिंग

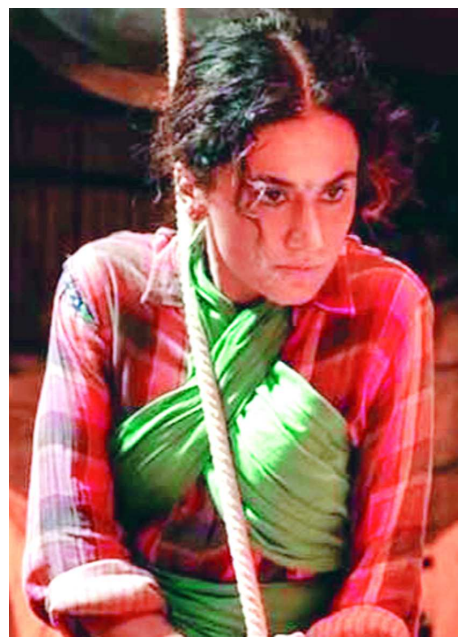

मुंबई (एजेंसी) ● तापसी पन्नू की लीडिंग गांधारी ने नेटफ्लिक्स पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जिसने अपने पहले हफ्ते में दुनिया भर में 5.9 मिलियन व्यूज़ रिकॉर्ड किए हैं और इंडियन नेटफ्लिक्स ओरिजिनल फ़िल्मों में दूसरे सबसे ज्यादा ओपनिंग-वीक परफ़ॉर्मर के तौर पर रैंक किया है। 3 सितंबर, 2026 को रिलीज़ हुई इस एक्शन थ्रिलर ने जाने जान और डार्लिंग्स के ओपनिंग-वीक नंबर को पीछे छोड़ दिया है, और यह सबसे मज़बूत इंडियन नेटफ्लिक्स ओरिजिनल फ़िल्मों में से एक बन गई है। दो पत्ती, जो 25 अक्टूबर, 2024 को रिलीज़ हुई थी, अपने ओपनिंग वीक में 17 मिलियन व्यूज़ के साथ लिस्ट में सबसे ऊपर है। गांधारी 5.9 मिलियन व्यूज़ के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि जाने जान, जो 21 सितंबर, 2023 को रिलीज़ हुई थी, ने 4.4 मिलियन व्यूज़ रिकॉर्ड किए थे। 5 अगस्त, 2022 को प्रीमियर हुई डार्लिंग्स को 411,538 व्यूज़ मिले। इस रैंकिंग ने गांधारी को किसी भी इंडियन नेटफ्लिक्स ओरिजिनल फ़िल्म के लिए सबसे मज़बूत ओपनिंग-वीक परफ़ॉर्मर में से एक बना दिया है। यह माइलस्टोन तापसी पन्नू की हिंदी एक्शन-थ्रिलर के लिए ऑडियंस की अट्रैक्शन को भी दिखाता है, जिससे फ़िल्म के नेटफ्लिक्स रन में एक और बड़ी अचीवमेंट जुड़ गई है।

'मिर्जापुर द मूवी' के सेट पर रहता था इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर : रसिका दुग्गल

मुंबई (एजेंसी) ● फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' में इंटिमेट सीन करने वाली अभिनेत्री रसिका दुग्गल आजकल चर्चा में हैं। फिल्म में इंटिमेट सीन को लेकर अभिनेत्री ने बताया कि ऐसे संवेदनशील दृश्यों की शूटिंग के दौरान सेट पर इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर की मौजूदगी कलाकारों को सहज महसूस कराने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने इसकी तुलना डांस और एक्शन सीक्वेंस से की, जहां कलाकारों की मदद के लिए कोरियोग्राफर और फाइट मास्टर मौजूद रहते हैं। रसिका ने कहा कि इंटिमेट सीन शूट करते समय इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर इसलिए जरूरी हैं, ताकि किसी भी कलाकार के साथ किसी तरह की जबरदस्ती न हो और उसकी सहमति, सहजता तथा परेशानियों का पूरा ध्यान रखा जा सके। उनके मुताबिक, जिस तरह डांस सीक्वेंस को व्यवस्थित तरीके से फिल्माने के लिए कोरियोग्राफर और एक्शन दृश्यों के लिए फाइट मास्टर होते हैं, उसी तरह इंटिमेसी सीन के लिए भी कोऑर्डिनेटर की भूमिका महत्वपूर्ण है। रसिका ने बताया कि ऐसे दृश्यों की शूटिंग से पहले वर्कशॉप आयोजित की जाती हैं। इनमें कलाकारों की सहजता और उनकी सीमाओं को समझने के साथ निर्देशक की जरूरत पर भी चर्चा होती है। यह तय किया जाता है कि सीन को कलाकारों की सुविधा के मुताबिक किस तरह फिल्माया जाए। यदि किसी कलाकार को सीन के किसी हिस्से को लेकर असहजता होती है तो इंटिमेसी कोऑर्डिनेटर उसकी बात सुनकर समाधान तलाशते हैं और शूटिंग को सहज बनाने की कोशिश करते हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, अब कलाकारों को पहले से पता होता है कि सेट पर किस तरह का सीन फिल्माया जाना है। जरूरत पड़ने पर वे क्लोज्ड सेट की मांग भी कर सकते हैं।

उज्जैन संभाग

10 दिन बाद भी जेसीबी-क्रेन से 'बजरंगबली' हिले तक नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन में सड़क चौड़ी करने के लिए खड़े हनुमान मंदिर का ढांचा तोड़ दिया गया। जेसीबी और क्रेन से प्रतिमा हटाने की कोशिश हुई, लेकिन प्रतिमा अपनी जगह से हिली तक नहीं। करीब 10 दिन की कोशिश के बाद प्रशासन ने एक्सपर्ट्स की मदद लेने का फैसला किया है। आईआईटी इंदौर की टीम को बुलाया गया है। टीम ने स्पेशल इक्विपमेंट से प्रतिमा की गहराई और आसपास की जमीन की जांच की। पुरातत्व एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि प्रतिमा करीब 1000 साल पुरानी हो सकती है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि प्रतिमा के नीचे क्या है? प्रतिमा जमीन में कितनी गहराई तक है? इसके बाद एक्सपर्ट रिपोर्ट देंगे। फिर तय होगा कि इसे सुरक्षित तरीके से हटाया जा सकता है या नहीं। वहीं, भक्तों के लिए यह सिर्फ प्रतिमा हटाने का मामला नहीं है। खड़े हनुमान को लोग 'डॉक्टर हनुमान' और मंदिर को 'उज्जैन का एम्स' कहते हैं। मान्यता है कि यहां बच्चों और बीमार लोगों की मन्नतें पूरी होती हैं, इसलिए प्रतिमा के नहीं हिलने को भक्त भगवान का संकेत और चमत्कार मान रहे हैं।

कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है। सड़क की चौड़ाई करीब 15 मीटर की जा रही है। इसी दायरे में खड़े हनुमान का मंदिर आ रहा था। प्रतिमा हटाने के लिए निगम की टीम कटर लेकर पहुंची थी। भक्तों ने इसका विरोध किया। उनका कहना था कि ज्यादा ताकत लगाने या कटर चलाने से प्रतिमा को नुकसान हो सकता है। दो दिन पहले मंदिर के आसपास बैरिकेडिंग की गई थी। भक्तों ने निगम कमिश्नर को ज्ञापन देकर विशेषज्ञों से जांच कराने की मांग की थी।

आईआईटी करीब दो घंटे तक जांच की। विशेष उपकरणों से प्रतिमा की जमीन में गहराई और आसपास की संरचना की जानकारी जुटाई गई है। टीम अब अपनी रिपोर्ट देगी। नगर निगम कमिश्नर अभिलाष मिश्रा के मुताबिक मंदिर के पंडित के आग्रह पर आईआईटी की टीम को बुलाया गया है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही प्रतिमा को हटाने की प्रक्रिया और तारीख तय होगी। प्रशासन यह देख रहा है कि प्रतिमा को बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित तरीके से दूसरी जगह ले जाना संभव है या नहीं। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के पुरातत्व विशेषज्ञ प्रो. डॉ. रमण सोलंकी के मुताबिक प्रतिमा करीब 1000 वर्ष पुरानी हो सकती है। उनके अनुसार पुराने समय में बड़ी प्रतिमाओं को इंटरलॉक तकनीक से स्थापित किया जाता था। खड़े हनुमान की प्रतिमा भी इसी तकनीक से स्थापित किए जाने की संभावना है।

उज्जैन की 297 बैंक शाखाओं में 11 सितंबर को हड़ताल, 5 डे वर्किंग की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर 11 सितंबर को देशव्यापी बैंक हड़ताल की जा रही है। उज्जैन की 297 बैंक शाखाओं में काम करने वाले 4 हजार से अधिक कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल पर रहेंगे। इस दौरान सरकारी बैंकों में कामकाज बंद रहेगा। 11 सितंबर शुक्रवार है, इसके बाद शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने से लगातार तीन दिन बैंक बंद रहेंगे। 5 दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग को लेकर देशभर के करीब 10 लाख बैंक कर्मचारी हड़ताल और प्रदर्शन में शामिल होंगे। उज्जैन में बैंक कर्मचारी टॉवर चौक पर एकत्रित होकर प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद टॉवर चौक से रैली निकाली जाएगी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के सह संयोजक विपिन सिंह सतोरिया ने बताया कि बैंक कर्मियों ने इससे पहले 27 जनवरी को भी प्रदर्शन किया था, लेकिन मांगों पर कोई निर्णय नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि 8 मार्च 2024 को केंद्र सरकार और बैंक यूनियनों के बीच 5 दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने पर सहमति बनी थी। इसके बावजूद वित्त मंत्रालय की ओर से अब तक इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

एलिवेटेड ब्रिज के पिलर की खुदाई शुरू, सिंहस्थ की तैयारी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ की तैयारियों के तहत शहर में बन रहे दो एलिवेटेड ब्रिज का काम अब जमीन पर नजर आने लगा है। आगर रोड पर कृषि उपज मंडी के सामने पिलर बनाने के लिए खुदाई शुरू हो गई है। इससे पहले 15 अगस्त को चरक अस्पताल के सामने पिलर के लिए खुदाई शुरू की गई थी। यानी 23 दिन में प्रोजेक्ट के दूसरे स्थान पर भी काम शुरू हो गया है। करीब 945.20 करोड़ रुपए की लागत से दोनों एलिवेटेड ब्रिज की कुल लंबाई करीब 5.32 किलोमीटर होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के भूमिपूजन के बाद इंदिरा नगर से इंदौर गेट चौराहे के बीच प्रोजेक्ट का निर्माण शुरू हो गया है। प्रोजेक्ट में पहला चार लेन एलिवेटेड ब्रिज चिमनगंज मंडी चौराहे से इंदौर गेट तक बनेगा। दूसरा दो लेन ब्रिज निकास चौराहे से इंदौर गेट तक बनाया जाएगा। फिलहाल चरक अस्पताल और मंडी गेट के सामने पिलर के लिए काम शुरू हो चुका है। अंकपात मार्ग वाले ब्रिज का काम अभी शुरू नहीं हुआ है।

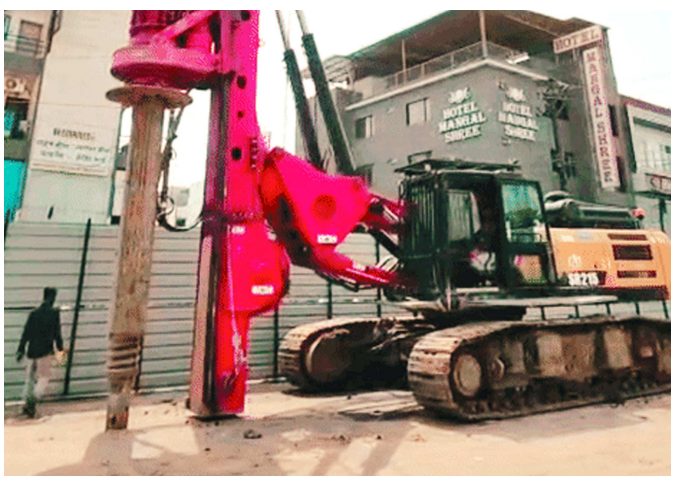

आगर रोड शहर के व्यस्त मार्गों में शामिल है। इसी रास्ते पर कृषि उपज मंडी, नगर निगम, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसे प्रमुख स्थान हैं। वाहन चालकों को कई चौराहों और ट्रैफिक सिग्नलों से गुजरना पड़ता है। पीक टाइम में जाम के कारण सफर में करीब 30 मिनट तक अतिरिक्त समय लग जाता है। एलिवेटेड ब्रिज बनने के बाद सीधा और भारी ट्रैफिक ऊपर से गुजरेगा, जबकि नीचे का मार्ग स्थानीय आवाजाही और व्यापार के लिए इस्तेमाल होगा। इससे ट्रैफिक दबाव और सिग्नल पर लगने वाले समय में कमी आने की उम्मीद है। प्रोजेक्ट को सिंहस्थ-2028 से पहले करीब 18 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्माण पूरा होने के बाद आगर रोड पर लंबी दूरी के ट्रैफिक को अलग मार्ग मिलने से शहर के व्यस्त हिस्से में आवाजाही आसान होने की उम्मीद है।

कथावाचक को जान से मारने की धमकी, गुरुभक्तों ने रैली निकालकर विरोध जताया

दैनिक इंदौर संकेत

बदनावर ● मालवा के प्रसिद्ध कथावाचक पंडित कमल किशोर नागर को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी उन्हें हाथ से लिखे एक पत्र के जरिए दी गई। इस जानकारी के बाद उनके गुरुभक्तों और गौभक्तों में गुस्सा है। बुधवार को बदनावर में बड़ी चौपाटी स्थित महाराणा प्रताप चौक से पैदल रैली निकाली गई। गुरुभक्त एसडीएम कार्यालय पहुंचे और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। रैली से पहले गौभक्त मंडल के महेंद्रसिंह पीपलीपाड़ा, बजरंग दल के लाखनसिंह जादौन, मनोज सोमानी, शिवरामसिंह रघुवंशी और दशरथसिंह पटेल मनासा समेत कई वक्ताओं ने लोगों को

संबोधित किया। ज्ञापन में संत कमल किशोर नागर, उनके परिवार और आश्रम की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की गई है। साथ ही धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसे जल्द गिरफ्तार करने की भी मांग की गई। ज्ञापन का वाचन कुलदीपसिंह पीपलीपाड़ा ने किया। ज्ञापन के मुताबिक, 4 सितंबर को झाबुआ जिले के भूराडाबरा स्थित गुरु कृपा शबरी गौशाला में कृष्ण जन्माष्टमी पर सत्संग हुआ था। इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने पंडित नागर को शाल, श्रीफल और अन्य चीजें भेंट की थीं। बाद में जब भेंट की गई सामग्री की जांच की गई, तो उसमें हाथ से लिखा धमकी भरा पत्र मिला। पत्र में संत नागर को गौ-सेवा और आदिवासी इलाकों में किए जा रहे काम बंद करने की चेतावनी दी गई है। इसमें उन्हें परिवार सहित जान से मारने और कथा के दौरान गोली मारने की धमकी भी दी गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि पंडित कमल किशोर नागर लंबे समय से गौ-सेवा, गौ-तस्करी के खिलाफ और धर्मांतरण के विरोध में जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

निगम रिमूवल में बवाल, एडिशनल डीसीपी को दिया धक्का

15 लोगों पर हुई एफआईआर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर जिला प्रशासन और नगर निगम की रिमूवल कार्रवाई के दौरान बवाल हो गया। इस दौरान युवकों के धक्के में एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल गिर गए। इसके बाद पुलिस ने युवकों को पीट दिया। मामले में 15 लोगों पर नामजद शासकीय काम में बाधा की एफआईआर की गई है।

इंदौर के साउथ तोड़ा में बुधवार को अवैध कब्जा हटाने के लिए रिमूवल कार्रवाई की। इस दौरान भीड़ को हटाने के दौरान एक युवक ने एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल को धक्का दे दिया। इससे वह जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद पुलिस ने हाथ खोले और कुछ युवकों को पीट दिया। थाना रावजी बाजार पुलिस ने 15 लोगों पर नामजद सहित अन्य पर शासकीय काम में बाधा का केस दर्ज कर लिया है।

इन पर हुई एफआईआर-आरोपियों में मोहम्मद जमील, मोहम्मद अम्मार, मोहम्मद हुजेफा, मोहम्मद मुबस्सीर, मोहम्मद फैजान, मोहम्मद क्ययूम, मैहजबी, खन्सा खान, जररि खान, अकरम, अस्फाक, इस्तियाक, ताहान, कादिर, नदीम सरकार व अन्य है।

यह धाराएं लगी है-इन पर शासकीय कार्य में बाधा की धारा 132 लगाई गई है। इसमें शासकीय काम में बाधा डालते हुए लोकसेवक पर हमला करने का मामला है। साथ ही बीएनएस की धारा 3 (5) भी लगी है, संयुक्त रूप से अपराध करने पर लगती है।

क्या लिखा है एफआईआर में-एफआईआर रावजी बाजार थाने के प्रधान आरक्षक मुकेश गायकवाड़ की शिकायत पर हुई है। इसमें कहा गया है कि निगम की रिमूवल कार्रवाई के तहत कानून व्यवस्था के लिए टीआई दीप सिंह परमार के साथ मय बल के मौके पर गए थे। इस दौरान स्थानीय निवासियों ने कार्रवाई करने से रोका। साथ ही समझाने पर धक्का-मुक्की की गई और हाथापाई की गई।

100 करोड़ की जमीन पर कब्जा हटाया

कान्ह नदी के किनारे की करीब 100 करोड़ कीमत की जमीन को कब्जे से मुक्त कराया गया है। यहां अवैध रूप से शेड लगाकर 50 से अधिक दुकान बनाई गई थी। एसडीएम घनश्याम धनगर ने बताया कि दो एकड़ सरकारी जमीन थी। इसे मुक्त कराया गया है। कब्जे के कारण कान्ह नदी का बहाव प्रभावित हो रहा था। क्षेत्र में आने वाले दिनों में सड़क निर्माण और चौड़ीकरण का काम प्रस्तावित है।

छह को किया गिरफ्तार

धक्कामुक्की करने वाले 6 युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। कार्रवाई के दौरान महिलाओं की भी पुलिस से सामान बाहर निकालने को लेकर बहस हुई। इसी बात के बाद विवाद ने तूल पकड़ा और लोग जमा हो गए। इस पर एडिशनल डीसीपी अग्रवाल भीड़ को हटाने पहुंचे, तब उन्हें धक्का लगा और वह गिर गए।

डिप्टी सीएम देवड़ा और शुक्ला विभागीय आफत से सुर्खियों में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश में यह पहला मौका है जब दोनों डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला अपने-अपने विभागों से जुड़े मामलों के कारण सुर्खियों में हैं। जहरीली शराब से हुई मौतों के चलते सागर जिला और जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल के अलावा रीवा में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं के चलते दोनों वरिष्ठ मंत्रियों की मुश्किलें बढ़ी रहीं।

डिप्टी सीएम शुक्ला के सामने तो गृह जिले और प्रभार जिले को चुनौती बनी रही। जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद डिप्टी सीएम और आबकारी मंत्री देवड़ा ने विभागीय दोषी अफसरों पर कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित कराई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी दुबई दौरे से सीधे सागर पहुंचे और उन्होंने प्रशासन को दोषी लोगों पर कार्रवाई के लिए फ्री हैंड दे दिया। 15 लोगों की मौत बताई जा रही है जबकि कई लोग अभी अस्पताल में भर्ती हैं। अभी मौतों का सिलसिला थमा नहीं है। इसलिए मामला सुर्खियों में बना हुआ है। प्रभार जिले में हुई इस गंभीर घटना के अलावा प्रदेश के इंटर्न/जूनियर डॉक्टर्स ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर भोपाल में जाम लगा दिया। आंदोलनकारी डॉक्टरों पर पुलिस कार्रवाई वाटर केनन और लाठी चार्ज से कई डॉक्टर्स घायल भी हुए।

गर्भवतियों को 4 किमी दूर एमटीएच भेजने की मजबूरी

4.45 करोड़ से अपडेट हुआ मांगीलाल चूरिया अस्पताल

पांच साल में नहीं हुआ एक भी सीजर!

- पांच लाख आबादी के लिए बना अस्पताल, ऊपरी मंजिल के पांच वार्डों पर ताले
- रात में डॉक्टर ऑन कॉल और भर्ती प्रसूताओं के लिए पौष्टिक भोजन तक की व्यवस्था नहीं

पांच लाख आबादी पूछ रही करोड़ों का भवन या पूरा अस्पताल

मांगीलाल चूरिया अस्पताल की स्थिति अब सिर्फ स्टाफ की कमी का मामला नहीं रह गई है। यह सवाल करोड़ों रुपए के सरकारी निवेश के उपयोग का है। जब अस्पताल में मशीन और ऑपरेशन थिएटर मौजूद हैं, विशेषज्ञ पद स्वीकृत हैं और पांच लाख आबादी को सेवा देने का लक्ष्य है, तो फिर पांच साल में एक भी सीजर क्यों नहीं हुआ? सोनोग्राफी मशीन किस काम की, अगर सोनोलॉजिस्ट नहीं? ऑपरेशन थिएटर किस काम का, अगर सीजर नहीं? वार्ड किस काम के, अगर ताले ही लगे रहें? इन सवालों के जवाब अब अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को देने होंगे।

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पांच लाख की आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के दावे के साथ करीब 4.45 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया मांगीलाल चूरिया अस्पताल अब अपनी ही व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रहा है। अस्पताल में 30 बेड, सोनोग्राफी मशीन और ऑपरेशन थिएटर जैसी सुविधाएं मौजूद हैं, विशेषज्ञ चिकित्सकों के पद भी स्वीकृत बताए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अस्पताल शुरू हुए करीब पांच साल होने के बावजूद यहां आज तक एक भी सीजर नहीं हुआ।

गर्भवती महिलाएं धक्के खाने को मजबूर : करोड़ों रुपए खर्च कर अस्पताल का भवन और संसाधन तो खड़े कर दिए गए, लेकिन मरीजों को अपेक्षित उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था अब भी अधूरी है। सबसे बड़ा सवाल गर्भवती महिलाओं को लेकर है। अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन है, लेकिन सोनोलॉजिस्ट नहीं है। नतीजा यह कि जांच के लिए गर्भवतियों को करीब चार किलोमीटर दूर एमटीएच अस्पताल भेजा जा रहा है। एमटीएच में पहले से रोजाना करीब 40 प्रसव और 250 से 300 मरीजों की ओपीडी का दबाव रहता है। ऐसे में वहां सोनोग्राफी के लिए भेजी जाने वाली गर्भवतियों का अतिरिक्त दबाव भी बढ़ रहा है, वहां उन्हें धक्कों का सामना करना पड़ता है। सवाल यह है कि जब अस्पताल में मशीन उपलब्ध है तो उसे चलाने के लिए विशेषज्ञ की व्यवस्था क्यों नहीं की गई?

तो फिर भवन बनाया ही क्यों

अस्पताल में ऑपरेशन थिएटर मौजूद है। स्त्री रोग, एनेस्थीसिया, शिशु रोग, सर्जरी और मेडिसिन जैसे विशेषज्ञ पद स्वीकृत बताए जा रहे हैं। इसके बावजूद पांच साल में एक भी सीजर नहीं होना अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। भवन तैयार, मशीन तैयार, ऑपरेशन थिएटर तैयार... लेकिन इलाज की पूरी व्यवस्था अब तक तैयार नहीं हो सकी। अस्पताल की ऊपरी मंजिल पर बने पांच वार्ड लंबे समय से बंद पड़े हैं। मौके पर निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में केवल एक प्रसूता भर्ती मिली। ओपीडी में मरीजों की कतार जरूर दिखाई दी, लेकिन गंभीर उपचार और भर्ती सुविधाओं का उपयोग बेहद सीमित नजर आया। यह स्थिति उस दावे पर सवाल खड़ा करती है, जिसके तहत पांच लाख की आबादी के लिए अस्पताल को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित किया गया था, जब स्टाफ ही नहीं है, तो भवन क्यों बनाया।

गैरहाजिरी पर जिपं के परियोजना अधिकारी की संविदा सेवा खत्म

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिला पंचायत इंदौर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति ने परियोजना अधिकारी (संविदा) वीरेंद्र बघेल की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही, संविदा सेवा शर्तों का उल्लंघन और बिना सूचना के लगातार अनुपस्थित रहने के कारण यह कार्रवाई की गई है।

जारी आदेश के अनुसार बघेल को मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद, भोपाल के आदेश पर जिला पंचायत अलीराजपुर से जिला पंचायत इंदौर में परियोजना अधिकारी (संविदा) के पद पर पदस्थ किया गया था। उन्होंने 11 अक्टूबर 2022 को इंदौर में कार्यभार संभाला था। वर्ष 2024-25 में मनरेगा के निर्धारित लेबर बजट को शत-प्रतिशत पूरा नहीं किया जा सका। इसके साथ ही सौंपे गए दायित्वों के निर्वहन में भी उदासीनता और लापरवाही सामने आई।

आदेश में कहा गया है कि बघेल 24 मार्च 2025 से बिना सूचना लगातार कार्यालय से अनुपस्थित रहे। कार्यालय की ओर से कई बार कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब देने का अवसर दिया गया। उन्होंने स्वास्थ्य खराब होने का हवाला देते हुए जवाब दिया, लेकिन इसके समर्थन में आवश्यक चिकित्सा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए। इसके बाद भी नवीन संविदा अनुबंध, वार्षिक मूल्यांकन पत्रक और गोपनीय प्रतिवेदन जमा करने के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। अंतिम अवसर देकर सुनवाई का मौका दिए जाने के बावजूद संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

आदेश के खिलाफ अपील का मिलेगा अवसर

सेवा शर्तों के अनुसार कोई संविदा अधिकारी या कर्मचारी बिना सूचना लगातार 30 दिन या उससे अधिक अनुपस्थित रहता है तो उसकी संविदा नियुक्ति अनुपस्थिति की तारीख से स्वत: समाप्त मानी जाती है। इसी प्रावधान के तहत बघेल की सेवाएं समाप्त की गई हैं। वे आदेश के खिलाफ 60 दिन में कलेक्टर/जिला कार्यक्रम समन्वयक के समक्ष प्रथम अपील कर सकते हैं।

बिना हेलमेट वालों पर सुबह चुस्ती, तो दोपहर बाद सुस्ती

कलेक्टर व अन्य कार्यालयों में नहीं हो पालन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कलेक्टर कार्यालय में अब बिना हेलमेट पहुंचने वालों की खैर नहीं। सड़क सुरक्षा को लेकर हुई बैठक में दिए गए निर्देशों के बाद प्रशासन ने सरकारी दफ्तरों में हेलमेट की अनिवार्यता को सख्ती से लागू करना शुरू कर दिया है। सोमवार से कलेक्टर कार्यालय के मुख्य गेट सहित सभी प्रवेश द्वारों पर जवान तैनात किए। कुछ समय तो रोक-टोक की, लेकिन बाकि दिन भर कोई रोक-टोक नहीं रही और बिना हेलमेट के आने वाले लोगों को आराम से पार्किंग में गाड़ी रखने दी गई।

दूसरी जगह पार्किंग

पिछले तीन दिन से सुबह-सुबह यह रोक-टोक होती है, लेकिन दोपहर बाद यह रोक-टोक बंद हो जाती है और बिना हेलमेट पहने व्यक्ति भी आराम से कलेक्टर कार्यालय में प्रवेश करते नजर आ रहे हैं। कलेक्टर कार्यालय पर सुबह सुरक्षाकर्मी तैनात रहते है और कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों को बिना हेलमेट के प्रवेश नहीं करने देते हैं। ऐसे में वे कर्मचारी जो बिना हेलमेट आते है, वे अब सुबह और कहीं पर गाड़ी पार्क कर आते हैं और दोपहर बाद जब सख्ती खत्म हो जाती है तो गाड़ी कार्यालय परिसर में लेकर आ जाते हैं। सुबह के समय जब सख्ती रहती है तो कलेक्टर कार्यालय के आस-पास पार्किंग की जगह भर जाती है और गलियों में लोग गाड़ी पार्क करते हैं।

सभी सरकारी दफ्तरों में लागू होगी व्यवस्था

कलेक्टर ने जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों के हेलमेट पहनकर ही प्रवेश करने की व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत कार्यालयों के प्रवेश द्वारों पर हेलमेट की जांच की जाएगी। बिना हेलमेट आने वाले कर्मचारियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रशासन अब इसी प्रक्रिया को अन्य सरकारी दफ्तरों में भी लागू करने की तैयारी में है। ज्ञात हो कि सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अभय मनोहर सप्रे ने हेलमेट नहीं पहनने वाले कर्मचारियों की जानकारी उनकी सीआर रिपोर्ट में दर्ज करने का सुझाव दिया था। इसके बाद प्रशासन ने सरकारी कार्यालयों में हेलमेट अनिवार्य करने की दिशा में कदम उठाया है।

खजराना में जितना काम किया उतने वोट नहीं मिले-हार्डिया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर विधानसभा पांच के विधायक महेंद्र हार्डिया ने मुस्लिम वार्ड से वोट नहीं मिलने की टीस बुधवार को सार्वजनिक कर दी। वह खजराना में एक स्कूल के विकास कार्य कार्यक्रम में बोल रहे थे। इंदौर पांच मप्र की सबसे बड़ी विधानसभा है जिसमें चार लाख से भी ज्यादा मतदाता है। यहां से साल 2003 से लगातार पांचवी बार विधायक बने हैं बीजेपी के महेंद्र हार्डिया। लेकिन इस जीत के बाद भी उनके मन में टीस है, जो उन्होंने बुधवार को खजराना जो मुस्लिम बाहुल्य वोट एरिया माना जाता है, वहां पर सार्वजनिक की।

जिसकी करनी उसके साथ

हार्डिया ने आगे कहा कि एक बूथ से दो, तो किसी से चार, किसी से आठ वोट मिलते हैं। यह नाइंसाफी है, काम करने वाली पार्टी और काम करने वाले व्यक्ति के लिए। कांग्रेस के कई उम्मीदवार रहे हैं, लेकिन जितने वो नहीं आते उतना मैं खजराना आता हूं, लेकिन उन्हें भरपेट वोट मिलते हैं। खजराना के सभी के दुख दर्द को मैंने समझा है। हमेशा सहायता दिलाता हूं। खैर जिसकी करनी उसके साथ। जल्द और यहां विकास कार्य होंगे, सभी को शुभकामनाएं।

जितना काम किया उतने वोट नहीं मिले

विधायक महेंद्र हार्डिया ने कहा कि यहां दो पानी की टंकी है और एक और बनेगी। अस्पताल का जमीन रिकार्ड भी ठीक हो गया, जल्द सीएम से भूमिपूजन कराएंगे। लेकिन मन में एक टीस हमेशा रहती है। मैं यहां से पांच बार जीता हूं लेकिन मन पर हाथ रखकर बोलें कि जितने काम किए, उतने वोट मुझे मिले क्या।

एक बार हारते-हारते बचे थे

महेंद्र हार्डिया की विधानसभा में आजादनगर और खजराना दो मुस्लिम बाहुल्य मतदाता एरिया आते हैं। यहां से इन्हें बहुत कम वोट मिलते हैं। साल 2018 के चुनाव में तो वह मात्र 1200 वोट से जीते और हारते-हारते बचे थे। हालांकि साल 2023 चुनाव में दस हजार से अधिक वोट से जीते थे।

उज्जैन की 100 साल पुरानी शाही मस्जिद तोड़ने की कार्रवाई पर नहीं हुआ स्टे, याचिकाएं खारिज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन ● उज्जैन में सिंहस्थ 2028 के तहत सड़क चौड़ीकरण के दायरे में सौ साल पुरानी शाही मस्जिद भी आ रही है। उज्जैन नगर निगम द्वारा रिमूवल का नोटिस दिया गया है। इसके खिलाफ दो याचिकाएं हाईकोर्ट इंदौर में लगीं। ये बुधवार को खारिज हो गई। उज्जैन सिंहस्थ 2028 को लेकर गोपाल मंदिर वाली रोड चौड़ी करने में एक बड़ा फैसला हुआ है। मार्ग में आ रही 100 साल पुरानी शाही मस्जिद तोड़ने के लिए उज्जैन नगर निगम द्वारा नोटिस दिया गया है। इस कार्रवाई के खिलाफ मुस्लिम समाज विरोध में है। वहीं, इसे लेकर दो याचिकाएं इंदौर हाईकोर्ट में दायर हुई।

इनके द्वारा लगाई गई याचिकाएं-एक याचिका शाही मस्जिद वक्फ पंचायत मोचियान प्रतिनिधि अशफाक अहमद और शाही मस्जिद इंतजामिया कमेटी वक्फ पंच मोचियान प्रतिनिधि वाइस चेयरमैन अशफाक अहमद की ओर से लगी। इसमें मप्र शासन, ज्वाइंट डायरेक्टर टीएंडसीपी, उज्जैन नगर निगम, बिल्डिंग ऑफिसर और कलेक्टर उज्जैन को पक्षकार बनाया गया। वहीं, दूसरी याचिका शाही मस्जिद वक्फ पंच मोचियान प्रेसीडेंट अरशान हुसैन की ओर से लगी। इसमें मप्र शासन, उज्जैन निगम व मप्र वक्फ बोर्ड को पक्षकार बनाया गया।

मस्जिद प्रबंधन की यह है आपत्ति-शहर काजी, शाही वक्फ पंचायत सहित मुस्लिम समाज द्वारा नोटिस पर आपत्ति जताई जा रही है। शाही मस्जिद वक्फ पंचायत मोचियान ने नगर निगम के भवन अधिकारी द्वारा जारी सूचना पत्र को अपूर्ण, अस्पष्ट और अवैधानिक बताते हुए आपत्ति दर्ज कराई है। पंचायत ने ऐतिहासिक दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि शाही मस्जिद 100 वर्ष से अधिक पुरानी और मुगलकालीन मस्जिद है। पंचायत के अनुसार, 17 मार्च 1925 को सिंधिया राजघराने के चेयरमैन, टाउन इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, ग्वालियर सरकार लश्कर की ओर से शहर काजी को पत्र जारी किया गया था। इसमें कुछ भूमि अधिग्रहित किए जाने के बाद शेष मस्जिद को यथावत रखा गया था। पंचायत ने यह भी बताया कि 13 सितंबर 1985 के मध्यप्रदेश शासन के राजपत्र में मस्जिद और उसकी पैमाइश का स्पष्ट उल्लेख है। इसके अलावा, वर्ष 1975 में आवागमन सुगम बनाने के लिए मस्जिद की ओर से स्वेच्छा से भूमि दिए जाने का भी दावा किया गया है।

दोनों याचिकाएं खारिज, आदेश आना बाकी

दोनों ही मामलों में एक साथ बुधवार को जस्टिस संदीप एन. भट्ट की बेंच में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद दोनों याचिकाओं को खारिज कर दिया गया। हालांकि, अभी औपचारिक आदेश आना बाकी है। वहीं, याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सैय्यद अशहर अली वारसी ने कहा कि विस्तृत आदेश बाकी है। हालांकि, याचिकाएं निरस्त की गई हैं। हम अपील में जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।